मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 7 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 10 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 03 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भारत फिर से सुजलाम सुफलाम कैसे बनेगा ?

भोजपुरी सिनेमा को सिर्फ डबल मीनिंग गानों से जोड़? पर मोनालिसा ने जताई नाराजगी ◂◂ 6

वाहन ने डेढ़ साल की बच्ची को कुचला, मौके पर मौत

घर के पास दुकान जा रही थी मासूम

संवाददाता

रांचीः रातू थाना क्षेत्र के आमटांड़ में हुए एक भीषण सड़क हादसे डेढ़ साल की मासूम बच्ची की जान चली गई। मृतक बच्ची की पहचान प्रियांशी कुमारी, पिता-राजू नायक के रुप में हुई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घर से पास के दुकान की ओर गई थी प्रियांशीः परिजनों के मुताबिक, प्रियांशी घर के पास स्थित एक दुकान की ओर सामान लेने गई थी तभी अचानक पड़ोसी के घर से कथित रूप से नशे की हालत में लौट रहे दिलीप बैठा ने अपने वाहन से उसे अपनी चपेट में ले लिया। वाहन की चपेट में आने से बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद जुटे लोग, परिवार में मातमः घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की। पुलिस हादसे के कारणों के साथ ही वाहन चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

डिवाइडर से टकराने के बाद पलटी पिकअप, 6 श्रद्धालुओं की मौत, 30 घायल

बागपत/एजेंसीः उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 30 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर है। हादसा खेकड़ा थाना क्षेत्र में बड़ागांव कट के पास हुआ।

जानकारी के अनुसार, पिकअप में सवार श्रद्धालु राजस्थान से उत्तर प्रदेश के बदायूं जा रहे थे। देर रात करीब 12:30 बजे डायल-112 के जरिए पुलिस को हादसे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही खेकड़ा थाना पुलिस के साथ चार पीआरवी और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर वाहन में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला।

हादसे में घायल लोगों को तत्काल सीएचसी खेकड़ा, सीएचसी बागपत और जिला अस्पताल बागपत पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल 14 लोगों को बेहतर इलाज के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज के सीएमएस अजीत चौधरी के मुताबिक, हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हुई है, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। घायलों को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है।

दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने यातायात व्यवस्था संभालते हुए एक्सप्रेस-वे पर आवागमन सुचारू कराया।

पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच में वाहन के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने की बात सामने आई है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। मृतकों की पहचान और उनके परिजनों से संपर्क करने की कार्रवाई जारी है।

टीएमसी सांसद नदीमुल हक पर ईडी का शिकंजा

कोलकाता से दिल्ली तक सात ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े ठिकानों पर सोमवार को छापेमारी की। ईडी की टीमें कोलकाता और दिल्ली में एक साथ तलाशी अभियान चला रही हैं। कोलकाता में नदीमुल हक के उर्दू अखबार अखबार-ए-मशरिक के कार्यालय और उनके आवास पर तलाशी ली जा रही है। वहीं, दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर भी एऊ की कार्रवाई जारी है। यह आवास अस्थायी रूप से टीएमसी के कार्यालय के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है।

कोलकाता में ईडी की कार्रवाई पार्क सर्कस के दरगा रोड स्थित अखबार-ए-मशरिक के कार्यालय में चल रही है। नदीमुल हक इस अखबार के निदेशक बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान कार्यालय परिसर को केंद्रीय सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। सुरक्षा कारणों से कार्यालय का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया गया है और तलाशी अभियान के दौरान किसी को भी अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

ईडी सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई संदिग्ध वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जांच के तहत की जा रही है। एजेंसी कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित लेन-देन, दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रही है। जांच के दायरे में अखबार-ए-मशरिक से जुड़े वित्तीय दस्तावेज भी शामिल हैं।

अखबार-ए-मशरिक का प्रकाशन कोलकाता के अलावा दिल्ली, रांची, आसनसोल, सिलीगुड़ी, भोपाल, लखनऊ और श्रीनगर से भी होता है। ऐसे में ईडी अलग-अलग प्रकाशन केंद्रों से जुड़े वित्तीय लेन-देन और दस्तावेजों की भी पड़ताल कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी की कोलकाता टीम ने मामले से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर ईडी द्वारा दर्ज की गई ईसीआईआर से जुड़ी बताई जा रही है। एजेंसी की जांच पूरी होने के बाद ही मामले में सामने आए वित्तीय लेन-देन और कथित अनियमितताओं की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

रांची में अखबार-ए-मशरिक के कार्यालय पर ईडी की छापेमारी

कथित संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और फंडिंग से जुड़े मामलों की जांच में ईडी की बड़ी कार्रवाई

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए सदर थाना क्षेत्र के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित उर्दू अखबार अखबार-ए-मशरिक के कार्यालय पर छापेमारी शुरू की। ईडी की टीम सुबह कार्यालय पहुंची और दस्तावेजों एवं अन्य रिकॉर्ड की जांच में जुट गई। कार्रवाई के दौरान परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ईडी की यह कार्रवाई दिल्ली, कोलकाता और रांची समेत कुल सात ठिकानों पर एक साथ चल रही है। बताया जा रहा है कि जांच का दायरा कथित संदिग्ध वित्तीय लेनदेन, फंडिंग और कुछ प्रकाशनों से जुड़े मामलों तक फैला हुआ है।

सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े ठिकानों पर भी कार्रवाई : जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम द्वारा की जा रही इस कार्रवाई में टीएमसी के राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े परिसरों को भी शामिल किया गया है। हालांकि, छापेमारी के दौरान जांच एजेंसी को क्या-क्या दस्तावेज या अन्य सामग्री मिली है, इसकी आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

कंटेंट प्रकाशन और वित्तीय लेनदेन की जांचः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जांच एजेंसी कथित तौर पर ऐसे कंटेंट के प्रकाशन, उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन और संदिग्ध स्रोतों से हुई फंडिंग के संबंध में पड़ताल कर रही है। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि संबंधित गतिविधियों में धन का लेनदेन किन माध्यमों से हुआ और इसके पीछे वास्तविक स्रोत क्या थे।

ईडी की टीम द्वारा कार्यालय में मौजूद वित्तीय दस्तावेज, लेनदेन से संबंधित रिकॉर्ड, कंप्यूटर सिस्टम तथा अन्य कागजात की जांच किए जाने की जानकारी है। हालांकि, बरामदगी अथवा जब्ती को लेकर जांच एजेंसी की ओर से अभी कोई विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

सुबह से जारी है कार्रवाईः सोमवार सुबह शुरू हुई इस कार्रवाई के बाद कोकर इंडस्ट्रियल एरिया में हलचल बढ़ गई। ईडी की टीम अपने स्तर से दस्तावेजों और उपलब्ध रिकॉर्ड को खंगाल रही है। छापेमारी पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि जांच एजेंसी को किन बिंदुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी मिली है।

फिलहाल ईडी की कार्रवाई जांच के स्तर पर है। एजेंसी की ओर से आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

चेकडैम में नहाने गए दो छात्रों की डूबने से मौत, काफी मशक्कत के बाद मिले शव

दुमका : जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के भाटीन गांव में रविवार देर शाम दर्दनाक हादसा हुआ। यहां धोबेय नदी पर बने चेकडैम में नहाने के दौरान दो स्कूली छात्रों की डूबने से मौत हो गई। पानी का बहाव तेज होने के कारण ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों के शवों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान रमण कुमार और उमेश सिंह के रूप में हुई है। दोस्तों के साथ नहाने पहुंचे थे दोनों छात्रः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रमण और उमेश रविवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ चेकडैम में नहाने आए थे। बताया जा रहा है कि उसमें से कुछ बच्चे वहां रील बना रहे थे। इसी दौरान रमण और उमेश गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। वहां मौजूद दूसरे बच्चों ने शोर मचाकर लोगों को इसकी जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पानी के तेज बहाव के कारण लोग तुरंत पानी में उतरकर बच्चों की तलाश नहीं कर पा रहे थे। करीब ढाई घंटे के बाद चेकडैम के नीचे एक पिलर के पास एक छात्र का सिर दिखा। इसके बाद कुछ स्थानीय युवक पानी में उतरे और रमण का शव बाहर निकाला। इसके बाद दूसरे छात्र उमेश सिंह की भी तलाश शुरू की गई। ग्रामीणों ने रस्सी की मदद से काफी देर तक खोजबीन की। तब जाकर उसका शव भी पानी से निकाल लिया गया।

परिजनों से बात कर लिया जाएगा पोस्टमार्टम को लेकर निर्णयः बताया जाता है कि रमण कुमार हंसडीहा हाईस्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था। जबकि उमेश सिंह 9वीं कक्षा में पढ़ता था। दोनों की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों की सूचना पर हंसडीहा थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया है। हंसडीहा थाना प्रभारी अजीत कुमार यादव का कहना है कि आज परिजनों से बातचीत के बाद पोस्टमार्टम को लेकर आगे का निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

सत्य निकेतन हादसा

अबतक छह लोगों की मौत, दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

बिल्डिंग मालिक के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

नई दिल्लीः दिल्ली पुलिस ने सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत के गिरने से हुई मौत मामले में बिल्डिंग के मालिक हरिराम बंसल के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। इस घटना की जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया अभी जारी है। रविवार को इमारत गिरने के बाद पुलिस ने बंसल और अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस के मुताबिक, इस इमारत का इस्तेमाल पेइंग गेस्ट (पीजी) के तौर पर किया जा रहा था और बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था, तभी अचानक इमारत ढह गई। हॉस्टल डेज नाम की यह पांच मंजिला इमारत लड़कों के पीजी के तौर पर चल रही थी और घटना के समय वहां कई छात्र रह रहे थे। चश्मदीदों के मुताबिक, पास की एक और इमारत भी ढह गई, जिससे इलाके की इमारतों की सुरक्षा और उनकी बनावट की हालत को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई है जबकि पांच लोगों को बचा लिया गया है। मलबे में दबे अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है। मलबे में कई छात्रों के फंसे होने की आशंका है क्योंकि दिल्ली यूनिवर्सिटी के पास के कॉलेजों के कई छात्र पीजी में रह रहे थे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह घटनास्थल का दोबारा दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा उपायों का जायजा लिया और हादसे के बाद चल रहे बचाव और उससे जुड़े कामों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इमारत के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने साफ किया कि अगर इस मामले में लापरवाही या चूक के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारी जिम्मेदार पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, ऐसी घटनाओं को रोकने और सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली भर में अवैध पांच-मंजिला इमारतों को तुरंत सील करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। इस घटना के बाद अधिकारियों ने आसपास की इमारतों और पीजी की जांच-पड़ताल तेज कर दी है। इस जांच का मकसद संभावित नियमों के उल्लंघन का पता लगाना और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करना है। इस बीच, दिल्ली हाईकोर्ट में सत्य निकेतन इमारत गिरने की घटना को लेकर एक याचिका भी दायर की गई है। इसमें घटना और उससे जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के मामले में कोर्ट के दखल की मांग की गई है।

यूपी समेत 5 राज्यों में चुनावी बिगुल जल्द

जनगणना के फैसले से फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव के संकेत

नई दिल्ली :(एजेंसी) : उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में जनगणना का काम आगे बढ़ाने तथा मणिपुर में जनगणना के पहले चरण को टालने के केंद्र के फैसले से इन पांच राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश समेत पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में कराए जा सकते हैं।

इन पांच राज्यों में सबसे पहले मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 13 मार्च 2027 को समाप्त होगा। इसके बाद गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च, पंजाब का 16 मार्च और उत्तराखंड का 18 मार्च को खत्म होगा। वहीं, उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 को समाप्त होगा।

2022 में भी इन पांचों राज्यों में लगभग एक साथ विधानसभा चुनाव हुए थे। हालांकि, उत्तर प्रदेश विधानसभा की पहली बैठक 22 मई 2022 को हुई थी। ऐसे में 2027 में भी चुनाव आयोग द्वारा पांचों राज्यों में एक साथ चुनाव कराने की संभावना है। आयोग की परंपरागत व्यवस्था के मुताबिक सबसे पहले समाप्त होने वाली

विधानसभा यानी मणिपुर का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई जा सकती है।

इस स्थिति में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव उसके मौजूदा कार्यकाल की समाप्ति से करीब दो महीने पहले हो सकते हैं। यह पिछले तीन विधानसभा चुनावों के पैटर्न के अनुरूप भी होगा। संवैधानिक प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग किसी राज्य में विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले तक चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बड़ी आबादी और मतदाताओं की संख्या को देखते हुए कई चरणों में मतदान कराए जाने की संभावना है। हालांकि, बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा अपनाए गए हालिया तौर-तरीकों को देखते हुए चरणों की संख्या पहले की तुलना में कम रखी जा सकती है। यदि उत्तर प्रदेश में बिहार की तरह मतदान को दो चरणों तक सीमित किया जाता है, तो चुनावी प्रक्रिया फरवरी या मार्च की शुरूआत में शुरू हो सकती है।

चुनाव वाले पांच राज्यों में से तीन राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम पूरा हो चुका है, जबकि दो राज्यों में यह प्रक्रिया जारी है। ऐसे में विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले चुनाव आयोग द्वारा इन राज्यों में दोबारा एसआईआर कराने की संभावना कम मानी जा रही है।

एसआईआर के बाद उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 13.4 करोड़ रह गई है, जो करीब 13.2 प्रतिशत की कमी है। वहीं, गोवा में मतदाताओं की संख्या 10.6 लाख यानी करीब 10.2 प्रतिशत कम हुई है। मणिपुर में मतदाताओं की संख्या 19.3 लाख रह गई, जिसमें करीब 7.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पंजाब और उत्तराखंड की अंतिम मतदाता सूची अगले कुछ महीनों में जारी होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड के बर्फ से मुक्त क्षेत्रों और गोवा में जनगणना 2027 के जनसंख्या गणना चरण को 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 के बीच कराने का फैसला किया है। इसके लिए 5 जनवरी 2027 को संदर्भ तिथि माना गया है। वहीं, मणिपुर में जनगणना के हाउस-लिस्टिंग चरण को टाल दिया गया है।

चुनाव वाले चार राज्यों में जनसंख्या गणना का चरण पहले कराने का उद्देश्य जनगणना और विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच संभावित टकराव से पैदा होने वाली प्रशासनिक और लॉजिस्टिक चुनौतियों से बचना है। दोनों ही बड़े अभियानों के संचालन के लिए सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों की बड़ी संख्या में आवश्यकता होती है। ऐसे में चुनाव और जनगणना एक साथ होने पर कर्मचारियों की उपलब्धता बड़ी चुनौती बन सकती थी।

आमतौर पर जनगणना का दूसरा चरण फरवरी में पूरे देश में कराया जाता है, जिसमें 1 मार्च को संदर्भ तिथि माना जाता है। लेकिन चुनावी राज्यों के लिए समय-सारिणी में बदलाव कर केंद्र ने चुनाव और जनगणना के बीच संभावित टकराव को कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम से संकेत मिल रहे हैं कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव 2027 की शुरूआत में ही कराए जा सकते हैं।

खूंटी में डबल मर्डर

आठ माह की गर्भवती युवती की गला रेतकर हत्या, गर्भस्थ शिशु की भी मौत

प्रेमी पर हत्या का आरोप, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

खूंटी/मुरहूः खूंटी जिले के मुरहू थाना क्षेत्र में आठ माह की गर्भवती 19 वर्षीय युवती की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पंगुरा गांव के जंगल से रविवार को युवती का शव बरामद किया गया। पोस्टमार्टम के दौरान उसके गर्भ में पल रहे मृत शिशु का भी पता चला। पुलिस ने मामले में दोहरे हत्याकांड के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए युवती के प्रेमी को गिरफ्तार किया है।

मृतका अड़की थाना क्षेत्र की रहने वाली बतायी गयी है। पुलिस के अनुसार, उसका पंगुरा गांव निवासी 20 वर्षीय सागर ओड़ेया के साथ करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध था। इसी दौरान युवती गर्भवती हो गई। बताया जा रहा है कि वह अपने प्रेमी पर उसे और होने वाले बच्चे को साथ रखने का दबाव बना रही थी। इसी बीच सागर ने उससे दूरी बना ली। करीब दो माह पहले उसने ढुकू प्रथा के तहत दूसरी युवती को अपने घर में रख लिया था। इसके बाद दोनों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर को युवती अपने अजन्मे बच्चे के हक की मांग को लेकर सागर के घर पहुंची थी। इसके बाद 4 सितंबर से वह लापता थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार को पंगुरा गांव के जंगल में उसका शव मिलने के बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही डीएसपी मंगल सिंह जामुदा और मुरहू थाना प्रभारी गॉडविन केरकेट्टा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके की जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवती के आठ माह की गर्भवती होने और गर्भ में पल रहे शिशु की भी मौत होने की पुष्टि हुई। मुरहू थाना प्रभारी गॉडविन केरकेट्टा के अनुसार, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सागर ओड़ेया को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बताया कि विवाद से बचने के लिए वह युवती को बहला-फुसलाकर जंगल ले गया और वहां उसकी गला रेतकर हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है और पुलिस हत्या के पीछे की परिस्थितियों तथा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

जैक का बड़ा फैसला

2027 की मैट्रिक-इंटर परीक्षा के लिए पेन और यू-डाइस कोड अनिवार्य, इसके बिना नहीं भर पाएंगे फॉर्म

संवाददाता

रांची/झुमरीतिलैयाः वर्ष 2027 में होने वाली मैट्रिक, इंटर, मध्यमा और मदरसा परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने में अब परमानेंट एजुकेशन नंबर (पेन) और यू-डाइस कोड अनिवार्य होगा। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने कोडरमा समेत राज्य के सभी स्कूलों को इस संबंध में निर्देश जारी किया है।

डुप्लीकेट पंजीयन पर लगेगी रोकः जैक के निर्देश के अनुसार, पेन और यू-डाइस कोड के बिना विद्यार्थियों का पंजीयन और परीक्षा फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य डुप्लीकेट पंजीयन पर रोक लगाना, विद्यार्थियों का एकीकृत डाटाबेस तैयार करना और शैक्षणिक आंकड़ों को अधिक सटीक बनाना है।

कोडरमा में हर साल 25 से 30 हजार विद्यार्थीः कोडरमा जिले में हर साल करीब 25 से 30 हजार विद्यार्थी मैट्रिक, इंटर और मदरसा परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरते हैं। ऐसे में नयी व्यवस्था का सीधा असर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों पर पड़ेगा।

30 सितंबर तक पेन उपलब्ध कराने का निर्देशः स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश के बाद जैक ने सभी प्रधानाध्यापकों और प्राचार्यों को 30 सितंबर तक विद्यार्थियों का पेन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी है। यू-डाइस पोर्टल पर विद्यार्थी का डेटा अपलोड होने के बाद पेन स्वतः जनरेट हो जाता है। स्कूलों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सभी विद्यार्थियों का डेटा समय पर पोर्टल पर अपलोड हो।

बिना यू-डाइस कोड वाले स्कूलों को भी निर्देशः जिन शिक्षण संस्थानों के पास यू-डाइस कोड नहीं है, उन्हें तत्काल झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेइपीसी) से कोड प्राप्त करने को कहा गया है। इधर, जिले में कुछ ऐसे स्कूल भी हैं, जिनके पास यू-डाइस कोड नहीं है। ऐसे संस्थान आसपास के मान्यता प्राप्त स्कूलों के माध्यम से विद्यार्थियों का परीक्षा फॉर्म भरवाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, जैक की नयी व्यवस्था के बाद इस तरह की प्रक्रिया में भी पेन और यू-डाइस कोड की आवश्यकता होगी।

विद्यार्थियों की सही पहचान सुनिश्चितः जैक का मानना है कि पेन और यू-डाइस को अनिवार्य करने से विद्यार्थियों की सही पहचान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे डुप्लीकेट पंजीयन पर रोक लगाने के साथ परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी भी बेहतर तरीके से की जा सकेगी। इसके अलावा विद्यार्थियों से जुड़े आंकड़ों के आधार पर शिक्षा की योजनाएं तैयार करने में भी सुविधा होगी। जैक के अनुसार, नयी व्यवस्था से जीइआर, एनइआर और ड्रॉपआउट दर जैसे शैक्षणिक सूचकांकों में सुधार लाने में भी मदद मिल सकती है।

जेपीएससी घोटाला मामला

फरार आरोपियों पर वारंट-कुर्की निकालने की तैयारी में सीआईडी

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कथित धांधली और मेधा घोटाले की जांच कर रही सीआईडी ने अब कार्रवाई को अगले स्तर पर पहुंचा दिया है। जांच में पूर्व जेपीएससी अध्यक्ष एल खियांग्ते समेत 20 आरोपितों को जेल भेजने के बाद एजेंसी की नजर अब उन सात संदिग्धों पर है, जो लगातार गिरफ्तारी से बच रहे हैं।

सीआईडी ने फरार आरोपियों की तलाश में पिछले पांच दिनों के दौरान उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी, लेकिन कोई हाथ नहीं लगा। अब जांच एजेंसी इनको ज्यादा समय देने के मूड में नहीं है। सूत्रों के अनुसार यदि संबंधित संदिग्ध जल्द जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं होते हैं, तो सीआईडी विशेष अदालत का रुख कर सकती है। गिरफ्तारी वारंट के बाद कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की दिशा में भी कदम बढ़ाया जा सकता है।

पूछताछ में खुलते गए राज, अब सात नाम निशाने परः पूरा मामला सीआईडी थाना कांड संख्या 16/2026 से जुड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और मिले दस्तावेजों तथा तकनीकी साक्ष्यों की जांच के बाद सात नए संदिग्ध जांच के घेरे में आए हैं।

इनमें नामकुम के आदित्य पांडेय, टाटीसिलवे के पवन कुमार सिंह, पलामू के रविशंकर कुमार और संतोष कुमार सिंह, बोकारो के सानन्द प्रकाश, हजारीबाग के लालू कुमार यादव और गिरिडीह के सौरभ कुमार पांडेय शामिल हैं।

सीआईडी को इन पर परीक्षा प्रक्रिया में कथित हस्तक्षेप, पेपर लीक, ओएमआर में हेराफेरी, अवैध लेन-देन और अभ्यर्थियों की सेटिंग कर परीक्षा पास कराने जैसे गंभीर आरोपों से जुड़े तथ्य मिले हैं।

सिर्फ अभ्यर्थी नहीं, पूरा नेटवर्क तलाश रही सीआईडीःजांच अब केवल आरोपितों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। सीआईडी कथित परीक्षा सिंडिकेट की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटी है। जांच में प्रभावशाली लोगों के संपर्क और भूमिका के संकेत मिलने के बाद इस दिशा में भी पड़ताल की जा रही है।

जांच एजेंसी जब्त मोबाइल फोन से फोरेंसिक डेटा निकाल रही है। कॉल डिटेल, संपर्क और डिजिटल गतिविधियों के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि परीक्षा से पहले किस-किस के बीच संपर्क था और कथित तौर पर प्रश्न-उत्तर उपलब्ध कराने की व्यवस्था किस स्तर तक फैली थी।

आधार कार्ड से खुल सकता है सिम कार्ड का खेलः विनय शाह और अनीश कुमार से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। सीआईडी उनके आधार कार्ड के आधार पर यह पता लगा रही है कि उनके नाम पर कोई दूसरा या नया सिम कार्ड जारी हुआ था या नहीं। एजेंसी को आशंका है कि जांच से बचने के लिए अलग-अलग मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया गया हो सकता है।

आसनसोल से काठमांडू तक फैले नेटवर्क की पड़तालः जेपीएससी घोटाला मामले में गवाहों और प्राथमिकी में सामने आए तथ्यों के आधार पर सीआईडी अब उन ठिकानों तक पहुंच रही है, जहां परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को कथित तौर पर ले जाया गया था।

जांच के दायरे में आसनसोल का सिंधी होटल, नियामतपुर का विवाह भवन, मुजफ्फरपुर, रांची, मांडू, दिल्ली और नेपाल का काठमांडू शामिल है। आरोप है कि परीक्षा से दो-तीन दिन पहले अभ्यर्थियों को इन स्थानों पर ले जाकर प्रश्न और उत्तर याद कराए गए थे। सीआईडी इन स्थानों का भौतिक सत्यापन कर रही है।

रामगढ़ : आधी रात हाथियों ने राशन दुकान तोड़ा, इलाके में दहशत

संवाददाता

रामगढ़ः रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के सांडी टूटी झरना में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। देर रात दो हाथियों ने सीताराम राशन दुकान को निशाना बनाते हुए उसका शटर और दरवाजा क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद दुकान के अंदर रखी खाद्य सामग्री समेत कई सामान को नुकसान पहुंचाया। दुकानदार के अनुसार, घटना में करीब 25 से 30 हजार रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। घनी आबादी वाले इस इलाके में हाथियों के पहुंचने से लोगों में दहशत का माहौल है।

देर रात दुकान को बनाया निशानाः टूटी झरना निवासी राजन पाठक ने बताया कि देर रात करीब एक बजे दो जंगली हाथी इलाके में पहुंचे। हाथियों ने सीताराम राशन दुकान का शटर और दरवाजा तोड़ दिया। दुकान के अंदर रखी खाद्य सामग्री को नुकसान पहुंचाने के साथ कई सामान भी बर्बाद कर दिये। दुकानदार के अनुसार, इस घटना में करीब 25 से 30 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इससे पहले भी हाथी इलाके में नुकसान पहुंचा चुके हैं। हाथियों ने सरयू महतो के घर की बाउंड्री वॉल को तोड़ दिया था और गेट भी उखाड़ दिया था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से स्थानीय लोगों में भय बढ़ता जा रहा है।

घनी आबादी वाले इलाके में हाथियों की मौजूदगी से डरः टूटी झरना क्षेत्र रामगढ़ शहर से सटा हुआ घनी आबादी वाला इलाका है। यहां बड़ी संख्या में लोग रहते हैं। इसी क्षेत्र में प्रसिद्ध टूटी झरना मंदिर भी स्थित है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु पूजा करने पहुंचते हैं। ऐसे में आबादी के बीच हाथियों की मौजूदगी से लोगों को जान-माल की चिंता सताने लगी है। वहीं, स्थानीय लोगों ने वन विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि हाथियों को सुरक्षित रूप से जंगल क्षेत्र की ओर ले जाया जाये, ताकि लगातार हो रहे आर्थिक नुकसान के साथ किसी बड़ी जनहानि की आशंका को भी टाला जा सके।

रामगढ़ के कई इलाकों में हाथियों का उत्पातः रामगढ़ के विभिन्न इलाकों में पिछले कुछ दिनों से जंगली हाथियों का उत्पात लगातार देखने को मिल रहा है। कुछ दिन पहले गोबरदरहा क्षेत्र में हाथियों के कुचलने से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। वहीं चितरपुर और गोला क्षेत्र में भी हाथियों से जुड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों को सतर्क रहने और वन विभाग को हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने की जरूरत है।

चोरों ने हॉस्टल संचालक समेत तीन पर किया चाकू से हमला, एक गंभीर

बोकारोः जिले के चीराचास थाना क्षेत्र स्थित क्रिएटिव बॉयज हॉस्टल में चोरी करने पहुंचे तीन अज्ञात युवकों ने हॉस्टल संचालक समेत तीन लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में हॉस्टल संचालक रजत कुमार और दो स्टाफ गंभीर रूप से घायल हो गए। रजत कुमार को इलाज के लिए रात में ही मेडिकेंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें माइनर सर्जरी की सलाह दी। कुलदीप कुमार सिंह हॉस्टल मैनेजर के अनुसार रविवार की देर शाम पांडेपुर के पास उत्सव वाटिका में क्रिएटिव हॉस्टल का वार्षिक मीटिंग और काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में हॉस्टल के बच्चे, स्टाफ और संचालक रजत कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी बच्चों को हॉस्टल छोड़ने के लिए वापस लौटे ।हॉस्टल पहुंचने पर उन्होंने देखा कि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे का तार काटा हुआ है। जैसे ही गेट खोला गया, अंदर से तीन अज्ञात युवक बाहर निकलने लगे। हॉस्टल संचालक और स्टाफ ने शोर मचाते हुए युवकों को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान तीनों ने चाकू निकाल लिया और हमला कर दिया। हमले में रजत कुमार को कान के पास, बांह और जांघ में चाकू लगा है। घाव गहरा होने के कारण डॉक्टरों ने तत्काल माइनर सर्जरी की सलाह दी। वहीं दो स्टाफ भी घायल हुए हैं।

श्री सर्वेश्वरी समूह की ओर से जतरा मैदान में पौधरोपण, 253 पौधों का किया वितरण

संवाददाता

रांचीः श्री सर्वेश्वरी समूह के रांची शाखा ने छठे चरण के तहत रविवार को शहर के नजदीक हेहल बगीचा टोली, जतरा मैदान में पौधरोपण और वितरण किया। इस पौधरोपण कार्यक्रम में लोगों के बीच आम, अमरूद, मोहगनी, आवला, जामुन, कटहल, सागवान इत्यादि के 253 पौधों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय ग्राम देवी के मन्दिर में आरती-पूजन और दीप दान कर किया गया। साथ ही मन्दिर के साफ-सफाई के लिये झाड़ू भी दिया गया। वहीं, हेहल बगीचा टोली- जतरा मैदान में ग्रामीणों और अचीवर्स क्रिकेट अकादमी के बच्चों के बीच श्री सर्वेश्वरी समूह का परिचय देते हुए समूह की ओर से किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में बताया गया।

साथ ही वृक्षों के कमी से हो रहे दुष्परिणामों के बारे में अवगत करते हुए वृक्षों के बचाव के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रामीणों व बच्चों के बीच करीब 247 पौधों का वितरण किया गया। साथ ही जतरा मैदान में छः पौधों का रोपण किया गया।

ज्ञात हो श्री सर्वेश्वरी समूह एक विश्व स्तरीय सामाजिक व धार्मिक संस्था है जो अनेक जनकल्याण के कार्यक्रम लगातार करती रहती है। जनसेवा के लिए श्री सर्वेश्वरी समूह का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। इस वर्ष संस्था ने अबतक करीब 1700 पौधों का वितरण एवं रोपण कर चुकी है।

कार्यक्रम के आयोजन में सुनील साहू का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में वार्ड 34 के पार्षद अजीत कच्छप भी मौजूद रहे। उन्होंने जतरा मैदान में रोपण किए गए पौधों के सुरक्षा के लिए लोहे के जाली भी लगवाए। वहीं, ह्यश्री सर्वेश्वरी समूहह्ल रांची शाखा से हेमन्त नाथ शाहदेव, नवल किशोर सिंह, सुनील सिंह, प्रताप आदित्य नाथ शाहदेव, पवन कुमार, राधा मोहन मिश्रा, द्वेद नाथ शाहदेव, उमाशंकर नन्द, संजीव सिंह, राजेन्द्र कुमार, उपेंद्र नाथ शाहदेव, उदित सिंह के साथ लगभग 20 श्रद्धालु-सदस्य शामिल हुए।रांची के सदर अस्पताल में लगेगी कैंसर जांच की ऑटो प्रोसेसर मशीन, दो घंटे में मिलेगी रिपोर्ट।

राज्य में 9 को भारी बारिश की संभावना,12 सितंबर तक रांची में होगी बारिश, 30-40 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

संवाददाता

रांचीः झारखंड में अगले तीन से चार दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघगर्जन होगा। 8 सितंबर को बारिश का दायरा बढ़ेगा और कई जगह 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 9 सितंबर को राज्य के लगभग सभी हिस्सों में बारिश के आसार हैं।

पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और हजारीबाग में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान वज्रपात और तेज हवा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। 10 से 12 सितंबर तक भी कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है।

उत्तर-पूर्वी हिस्सों में भी भारी बारिश की संभावनाः मौसम विभाग के अनुसार 8 सितंबर को राज्य के अनेक हिस्सों में बारिश के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 9 सितंबर को गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग और गुमला में गरज, वज्रपात और तेज हवा की आशंका है। उत्तर-पूर्वी झारखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

11 और 12 सितंबर को कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होगी। राजधानी रांची में अगले तीन-चार दिनों तक मौसम में विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन कहीं-कहीं हल्की बारिश होती रहेगी। 12 सितंबर तक रांची में रोजाना दो-तीन बार हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। बारिश के कारण तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है।

मानसून ट्रफ से झारखंड में बढ़ी नमीः भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में बना निम्न दबाव क्षेत्र सक्रिय है। इससे जुड़ा साइक्लोनिक सकुर्लेशन समुद्र तल से करीब 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला है। इसके अगले 24 घंटे में उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ने की संभावना है। मानसून ट्रफ भी सक्रिय है।

फिलहाल यह श्रीगंगानगर, रोहतक, यूपी के लो प्रेशर एरिया, सतना, डालटनगंज और बांकुड़ा होते हुए त्रिपुरा की ओर जा रही है। डालटनगंज से गुजरने के कारण झारखंड में लगातार नमी मिल रही है। दक्षिण गुजरात से उत्तर बांग्लादेश तक बनी दूसरी ट्रफ लाइन भी उत्तर छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल के ऊपर से गुजर रही है। दोनों प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हैं।

पिछले 24 घंटे में पाकुड़ में सबसे अधिक बारिशः पिछले 24 घंटे में राज्य के कुछ स्थानों पर गरज के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश दर्ज की गई। अमरापाड़ा (पाकुड़) में सबसे अधिक 14.4 मिमी बारिश हुई। बोआरिजोर में 14.2, मेहगावन में 12.4, पाकुड़िया में 10.2 और पथरगामा में 10.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर, रांची समेत राज्य के अधिकतर जिलों में अधिकतम तापमान बढ़ा है।

अगले दो दिनों तक तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद बारिश बढ़ने पर अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है।

अगले दो दिनों तक तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद बारिश बढ़ने पर अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार मानसून ट्रफ और दोनों मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से अगले तीन-चार दिनों में राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

पेट्रोल पंप में 49% हिस्सेदारी का झांसा देकर डॉक्टर दपंती से 2.08 करोड़ की ठगी

मेट्रो रेज

रांचीः पुंदाग ओपी क्षेत्र के ऐश्वर्या रेजिडेंसी रोड नंबर पांच निवासी सेवानिवृत पदाधिकारी डॉक्टर ब्रह्मदेव चौधरी के साथ 2.08 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस संबंध में उन्होंने पुंदाग ओपी में प्राथमिकी दर्ज करायी है। आरोप है कि पेट्रोल पंप में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का झांसा देकर हजारीबाग के साउथ शिवपुरी, बोद्म बाजार निवासी पिंकू कुमार चौधरी ने उनके साथ धोखाधड़ी की। प्राथमिकी के अनुसार पिंकू चौधरी कई वर्षों से डॉक्टर परिवार के परिचित हैं।

20 मार्च 2022 को वह उनके आवास पहुंचा और बताया कि एचपीसीएल से चौपारण के पांडेय बाड़ा में एनएच पर पेट्रोल पंप की डीलरशिप स्वीकृत हो चुकी है। पूंजी की कमी बताते हुए उसने डॉक्टर चौधरी और उनकी पत्नी डॉक्टर प्रभा कुमार को कारोबार में 49 प्रतिशत हिस्सेदार बनाने का प्रस्ताव दिया। 30 अप्रैल 2022 को 20 रुपये के स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट किया गया। आरोपी ने एचपीसीएल के समक्ष साझेदारी की औपचारिकता पूरी कराने का भरोसा दिया और 72।70 लाख रुपये का डिमांड ड्राफ्ट भी दिखाया, इसके बाद भूमि विकास, सिक्योरिटी डिपॉजिट, निर्माण कार्य, मशीनरी, लाइसेंस, बिजली कनेक्शन, एनओसी और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर रकम लेना शुरू किया।

शिकातयकर्ता के अनुसार उनके खाते से करीब 1.32 करोड़ रुपये और उनकी पत्नी के खाते से 28.90 लाख रुपये लिये गये। इसके अलावा आरोपी ने अपने दूसरे कारोबार में आर्थिक परेशानी बताते हुए 55 लाख रुपये का लोन भी लिया। इसके लिए 19 दिसंबर 2022 को एकरारनामा बनाया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि करीब 27 लाख रुपये नकर और कमेटी के नाम पर करीब 20 लाख रुपये भी लिये गये। आरोपी समय-समय पर पेट्रोल पंप पर काम तेजी से चलने की बात कहता रहा और निर्माण स्थल की तस्वीरें भी भेजता रहा। कुछ रकम उनके खातों से लाभांश के रूप में भेजी गयी, जिससे भरोसा बना रहा। बाद में उन्हें आशंका हुई कि धोखाधड़ी की गयी है। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और विश्वासघात के आरोप में कार्रवाई करने तथा रकम वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

झारखंड ने एक जुझारू जनप्रतिनिधि खो दिया : एस अली

गुलाम शाहिद

रांचीः झारखंड सरकार के मंत्री और झामुमो के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर आमया संगठन ने गहरा शोक जताया है। संगठन की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान केंद्रीय सचिव नौशाद आलम समेत संगठन के पदाधिकारियों ने उनके निधन को झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

आमया संगठन के एस अली ने कहा कि झारखंड ने एक जुझारू जनप्रतिनिधि और सक्रिय नेता खो दिया है। उनके निधन से राज्य की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था को बड़ी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई तत्काल संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू ने कम समय में ही अपने मंत्रालय के साथ-साथ अन्य विभागों के कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि सोनू झारखंड की जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और सम्मान को लेकर गंभीर थे। वे दूसरे राज्यों की भाषाओं को राज्य की भाषा व्यवस्था में शामिल किए जाने के खिलाफ अपनी स्पष्ट राय रखते थे।एस अली ने कहा कि सोनू के प्रयासों से जैक द्वारा मैट्रिक, इंटरमीडिएट सहित अन्य शैक्षणिक प्रमाणपत्रों में सुधार का अवसर उपलब्ध कराया गया। वहीं जाति, आवासीय और आय प्रमाणपत्रों के निर्माण की ऑनलाइन व्यवस्था के साथ ऑफलाइन व्यवस्था भी शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों के अलावा मदरसा और उर्दू से संबंधित मामलों पर भी गंभीरता से काम किया।श्रद्धांजलि सभा में आमया संगठन के केंद्रीय सचिव नौशाद आलम, केंद्रीय उपाध्यक्ष मो। फुरकान, केंद्रीय संगठन सचिव जियाउद्दीन अंसारी के अलावा अफताब आलम, नसीम अख्तर, अंजुम खान, अब्दुल बारिक, सिद्दीक अंसारी, असरफूल अंसारी, अफसर अंसारी, मो। मोबिन, अब्दुल्लाह बशीर, इमरोज अंसारी, निरोज मंसूरी, अलाउद्दीन अंसारी, राशिद अनवर, शमशाद अंसारी, मजहरुल हक, नाजिम अंसारी, प्रवेज अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

चेंबर चुनाव में टीम पी-21 की सफलता के लिए दिन-रात जुटे हैं अमित पाठक

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः आगामी 13 सितंबर को शहर के हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में होने वाले चेंबर चुनाव के लिए इस बार तीन टीमें मैदान में हैं। शहर की लोकप्रिय समाजसेविका पूनम आनंद के नेतृत्व में पी21 टीम का जनसंपर्क अभियान जारी है।

पी21 टीम में शामिल हटिया के सिंह मोड़ (विकास नगर) निवासी युवा एवं ऊजार्वान उद्यमी अमित कुमार पाठक अपने स्तर से पूरी टीम की सफलता के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं। सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने वाले मृदुभाषी अमित कुमार पाठक की छवि एक सफल उद्यमी की है। श्री पाठक रांची शहर के करम टोली स्थित एमॉन मार्केटिंग के निदेशक हैं।

अपनी माता स्व।कृष्णा देवी एवं पिता आनंदमूर्ति पाठक के आर्दशों को आत्मसात कर पारिवारिक, व्यावसायिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर हैं। उन्होंने नई दिल्ली के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी (आइआइएफटी) से एपेरल मचेर्डाइजिंग में डिप्लोमा की डिग्री हासिल की। तत्पश्चात स्टार्टअप से प्रेरित होकर अपना खुद का व्यवसाय रांची में शुरू किया। होम अप्लायंसेज से संबंधित व्यवसाय से जुड़े हैं।

उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा दरभंगा (बिहार) से हुई। आईआईएफटी से डिग्री लेने के पश्चात उन्होंने रांची में स्वयं का स्टार्टअप स्थापित किया और अपने लगन, परिश्रम और ईमानदारी के बलबूते शीघ्र ही एक सफल उद्यमी की श्रेणी में शुमार हो गए। श्री पाठक फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के विगत पांच वर्षों से सक्रिय सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त लायंस क्लब ऑफ रांची मिलन के सचिव और बीसीआई के सम्मानित सदस्य हैं।

इस बार चेंबर चुनाव में वह टीम पी-21 में शामिल होकर कार्यकारिणी समिति के सदस्य पद के लिए चुनाव मैदान में हैं। श्री पाठक ने कहा कि व्यवसाय हित, व्यवसाय से जुड़े कर्मियों का हित संरक्षण के साथ राज्यहित के लिए भी वह सदैव समर्पित रहेंगे।

बीएलओ की मेहनत पर बीएलए की आपत्तियां भारी, मतदाताओं में बढ़ी बेचैनी

जीवित को मृत और मौजूद को अनुपस्थित बताकर फॉर्म-7 से नाम हटाने की शिकायत

गुलाम शाहिद

रांचीः मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि बीएलओ के सहयोग के लिए नियुक्त कुछ बीएलए अपनी निर्धारित भूमिका से आगे बढ़कर मतदाताओं के नाम पर आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कई मामलों में बिना पर्याप्त सत्यापन के जीवित मतदाताओं को मृत और क्षेत्र में मौजूद लोगों को अनुपस्थित बताते हुए फॉर्म-7 के माध्यम से नाम विलोपन का आवेदन दिया जा रहा है।

बीएलओ वर्षों से अपने क्षेत्र के मतदाताओं से सीधे संपर्क में रहे हैं। घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने और मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया में उन्होंने काफी मेहनत की है। शिकायतकताओं का कहना है कि रक्फ की प्रक्रिया में बीएलओ को सहयोग करने के लिए बीएलए की नियुक्ति हुई थी। लेकिन अब कुछ बीएलए की ओर से की जा रही आपत्तियों ने पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिये हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी उन मतदाताओं को हो रही है, जिनके नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पहले से दर्ज हैं। ऐसे मतदाताओं को भरोसा था कि पूर्व की सूची में नाम होने के कारण उन्हें किसी तरह की अनावश्यक परेशानी नहीं होगी। लेकिन शिकायत के अनुसार, बीएलए की आपत्तियों के बाद उन्हें भी नोटिस और सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरने की चिंता सता रही है।

एडवोकेट मोमताज खान का आरोप है कि कुछ मामलों में धर्म और राजनीतिक पहचान के आधार पर चुनिंदा मतदाताओं के नाम पर आपत्ति की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि किसी मतदाता के नाम को लेकर वास्तविक आपत्ति है, तो उसका निष्पक्ष तरीके से जमीनी सत्यापन होना चाहिए। किसी एजेंट की आपत्ति को ही अंतिम आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। हिन्दपीढ़ी के अन्य मतदाताओं का कहना है कि एक बीलएलए की आपत्ति के कारण बड़ी संख्या में पात्र नागरिकों को नोटिस, जवाब और सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। नाम मतदाता सूची से हटना जितना गंभीर है, उसे दोबारा जुड़वाने की प्रक्रिया उतनी ही परेशानी वाली हो सकती है। ऐसे में किसी भी नाम पर कार्रवाई से पहले पर्याप्त जांच जरूरी है।

एडवोकेट मोमताज खान ने निर्वाचन अधिकारियों से मांग की है कि फॉर्म-7 के माध्यम से दर्ज आपत्तियों की निष्पक्ष और जमीनी जांच करायी जाये। जीवित मतदाताओं को मृत बताकर नाम हटाने के प्रयासों की अलग से जांच हो। यदि किसी बीएलए द्वारा जानबूझकर गलत सूचना देकर पात्र मतदाताओं को परेशान करने की पुष्टि होती है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाये।लोगों का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन मतदाता सूची की शुचिता और निष्पक्षता सर्वोपरि है। एसआईआर का मकसद मतदाता सूची को दुरुस्त करना है, किसी पात्र मतदाता को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं।

ऐसे में अब सवाल निर्वाचन अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर है कि बीएलओ की वर्षों की जमीनी मेहनत और पात्र मतदाताओं के अधिकार को सुरक्षित रखते हुए बीएलए की आपत्तियों का सत्यापन किस स्तर पर और किस तरीके से किया जा रहा है।

सदर अस्पताल से बाइक चोरी करने वाला गैंग धराया, 7 आरोपी गिरफ्तार, 4 बाइक बरामद

मेट्रो रेज

रांचीः सदर अस्पताल के आस-पास लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने बाइक चोर गैंग के 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

ऐसे पकड़ा गया गैंग

पुलिस के अनुसार 06।09।2026 को सूचना मिली थी कि सदर अस्पताल परिसर में एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल चोरी के फिराक में घूम रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद कार्रवाई करते हुए संदिग्ध को अस्पताल से पकड़ा गया।

उसके निशानदेही और अपराध स्वीकारोक्ति के आधार पर लोअर बाजार थाना कांड सं0- 153/2026, दिनांक 06।09।2026, धारा-303(2)/317(4)/317(5)/3(5) दर्ज करते हुए कुल 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

छापामारी के दौरान लोअर बाजार थाना कांड सं0 139/2021, दिनांक 07।06।2021, धारा 379 भादवि के फरार अभियुक्त शाहिद राय को भी गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त

- इरफान अंसारी उम्र 24 वर्ष, पिता स्व कमरुद्दीन अंसारी, मौलाना आजाद कॉलोनी, थाना नामकुम, रांची।
- मो फैस आलम उम्र 21 वर्ष, ग्राम केसा, थाना बेड़ो, जिला रांची।
- मोसिन राय उम्र 26 वर्ष, पिता बसिर राय, ग्राम केसा, थाना बेड़ो।
- इमरान आलम उर्फ भालू उम्र 25 वर्ष, पिता तैयब आलम, ग्राम केसा, थाना बेड़ो।
- मो जफरुल्ला उम्र 20 वर्ष, पिता मो मोईन राय, ग्राम केसा, थाना बेड़ो।
- सैफ अंसारी उर्फ राज उम्र 22 वर्ष, रहमत नगर, सिसई, थाना सिसई, जिला गुमला।
- शाहिद राय उम्र 40 वर्ष, पिता स्व काशिम राय, केसा नवाटोली, थाना बेड़ो।

बरामदगी

- मोटर साइकिल नं०- जेएच09एजे-8499
- मोटर साइकिल नं०- जेएच01डीएम2841
- मोटर साइकिल नं०- जेएच01बीपी-4092
- मोटर साइकिल नं०- जेएच05डीएल-8507

छापामारी दल में शामिल पुअनि सह थाना प्रभारी, लव कुमार सिंह, पुअनि संतोष कुमार रजक, पुअनि देवानन्द कुमार यादव, पुअनि दीपक किशोर तिवारी, पुअनि सुधीर बाड़ा, पुअनि रंजित कुमार, सअनि० अजय कुमार सिंह और थाना सशस्त्र बल के जवान।

जमीन विवाद में युवक पर हमला

बोकारो : चास के पुराना बाजार स्थित मछली पट्टी में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गई। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जख्मी मनभूलू धीवर ने बताया कि जमीन विवाद पूर्व से चल रहा है।

जहां मेरे जमीन पर कुछ लोग जबरन घर बना रहे हैं जब पूछने गए तो चार लोग आए तथा अचानक रॉड और चाकू से हमला कर दिए। जिसके कारण मनभूलू धीवर को सिर में गंभीर चोटें आई है। जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके सिर में गंभीर चोटें आई है, चार टांके लगे हैं। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस पहुंच इस विवाद को शांत करा जख्मी को इंजुरी काट इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिजली के तार की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत, कई हाथियों के घायल होने की सूचना

संवाददाता

लातेहारः जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के कोमर गांव में रविवार देर रात एक जंगली हाथी की मौत हो गयी। बताया जाता है कि हाथी बिजली की तार के चपेट में आ गया था, जिससे उसकी मौत हुई है। इस दौरान कुछ अन्य हाथियों को भी करंट से घायल होने की सूचना है। फिलहाल घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दरअसल लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत कोमर गांव के आसपास जंगली हाथियों का आतंक इन दिनों चरम पर था। जंगली हाथियों का झुंड रात होते ही गांव में घुस कर लोगों के घर और फसल को बर्बाद कर रहा था। बीती रात भी हाथियों का झुंड गांव में घुस गया था। इसी दौरान एक घर के बाहर लगे बिजली के तार की चपेट में हाथियों का झुंड आ गया। इस घटना में एक हाथी की मौत हो गई। ग्रामीण बताते हैं कि रात में कई हाथियों के चिंघाड़ने की आवाज आ रही थी। जिससे संभावना जताई जा रही है की करंट की चपेट में कुछ अन्य हाथी भी आकर घायल हुए होंगे। हालांकि इसकी आधिकारिक सूचना नहीं है।

खेत में लगा रखा था बिजली का तारः इधर वन विभाग का ट्रैकर पप्पू महतो ने बताया कि बीती रात लगभग 15 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड गांव की तरफ आया था। 2 बजे रात तक उन लोगों की नजर हाथियों पर थी और हाथियों को गांव से भगा दिया गया था। लेकिन अचानक फिर हाथियों का झुंड गांव की ओर आया और एक ग्रामीण के मकई के खेत की ओर गया। यहां पहले से बिजली का तार लगाया हुआ था। बिजली के तार की चपेट में आने से एक हाथी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पप्पू महतो ने कहा कि यदि हाथी को भगाने के लिए वे लोग भी वहां आते तो बिजली की चपेट में आने से उनके साथ भी कुछ हो सकता था। वहीं वन समिति के अध्यक्ष सुनील उरांव ने कहा कि मना करने के बावजूद इस प्रकार खेत में बिजली का खतरनाक तार लगाने के कारण ही उक्त घटना घटी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा खुलासाः इस संबंध में फॉरेस्ट रेंज पदाधिकारी नंद कुमार मेहता ने कहा कि मामले की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि मृतक हाथी के पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल टीम भी गठित की जा रही है।

रिम्स में महिला मरीज की मौत पर हंगामा परिजनों और जूनियर डॉक्टरों में भिड़ंत

संवाददाता

रांचीः रिम्स सर्जरी विभाग के सी-टू वार्ड में भर्ती इटकी की नसीमा खातून की रविवार दोपहर 2:30 बजे मौत हो गयी। महिला की मौत के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। रिम्स जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन का कहना है कि परिजनों ने स्लाइन के रॉड को उठाकर पटकना शुरू कर दिया। साथ ही एक पीजी छात्र से हाथापाई भी कर दी। वार्ड में तैनात जूनियर डॉक्टरों ने अपने सहपाठियों को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मेडिकल छात्र वार्ड पहुंचे और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गयी। करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। जानकारी मिलने पर बरियातू पुलिस भी पहुंची। विभागाध्यक्ष डॉ पंकज बोदरा ने किसी तरह मामला शांत कराया। निजी अस्पताल में सर्जरी के बाद रिम्स में कराया गया था भर्तीः सूत्रों के अनुसार महिला के पैंक्रियाज की सर्जरी एक निजी अस्पताल में हुई थी। स्थिति खराब होने पर उसे रिम्स लाकर डॉ एके कमल के वार्ड में भर्ती कराया गया। भर्ती के वक्त ही परिजनों को बताया गया था कि महिला की स्थिति गंभीर है। वहीं, परिजनों का कहना है कि महिला की हालत ठीक थी और डॉक्टरों ने इलाज में लापरवाही बरती। मारपीट के विरोध में जूनियर डॉक्टरों ने किया कार्य बहिष्कारः मारपीट और लचर सुरक्षा व्यवस्था के विरोध में जूनियर डॉक्टरों ने इमरजेंसी में कार्य का बहिष्कार कर दिया। दोपहर 2:20 से करीब 3:20 तक डॉक्टर वार्ड छोड़कर चले गये।

पिता की अस्थियां लेकर बराकर नदी पहुंचे श्रेयश, भावुक माहौल में दी अंतिम विदाई

मेट्रो रेज

गिरिडीहः झारखंड सरकार के मंत्री सह गिरिडीह सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के निधन के बाद सोमवार को उनके पुत्र श्रेयश ने बराकर नदी में पिता की अस्थियों का विधि-विधान के साथ विसर्जन किया। इस दौरान माहौल बेहद भावुक और गमगीन रहा। परिजनों, करीबी लोगों और शुभचिंतकों की मौजूदगी में श्रेयश ने अपने पिता को अंतिम विदाई दी।

अस्थि विसर्जन की धार्मिक प्रक्रिया के दौरान श्रेयश काफी भावुक नजर आए। पिता की अस्थियों को बराकर नदी में प्रवाहित करते समय वहां मौजूद परिजनों और शुभचिंतकों की आंखें भी नम हो गईं। पूरे समय वातावरण में शोक और सन्नाटा पसरा रहा।

सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन से गिरिडीह सहित पूरे झारखंड में शोक की लहर है। रविवार को उनके निधन के बाद गिरिडीह स्थित गृह क्षेत्र में अंतिम संस्कार किया गया था। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। समर्थकों, शुभचिंतकों और आम लोगों ने नम आंखों से अपने लोकप्रिय जनप्रतिनिधि को अंतिम विदाई दी थी।

सोमवार को बराकर नदी में अस्थि विसर्जन के साथ दिवंगत सुदिव्य कुमार सोनू के अंतिम संस्कार से जुड़ी धार्मिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हुआ। परिवार के लिए यह पल बेहद पीड़ादायक और भावुक रहा। इस दौरान मौजूद लोगों ने दिवंगत मंत्री के साथ बिताए पलों और उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुदिव्य कुमार सोनू के निधन को राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी बड़ी क्षति के रूप में देखा जा रहा है। उनके असामयिक निधन से समर्थकों और कार्यकताओं में गहरा शोक है। लोग उन्हें उनके सार्वजनिक जीवन, सक्रिय राजनीतिक भूमिका और क्षेत्र से जुड़े कार्यों के लिए याद कर रहे हैं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

नीतीश के राजनीतिक स्ट्रोक के सामने भाजपा का चक्रव्यूह

बिहार की राजनीति में सत्ता का हस्तांतरण जितना दिखाई देता है, उसके पीछे की राजनीतिक बिसात उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती है। मौजूदा घटनाक्रम को इसी नजरिए से देखें तो सवाल उठता है, क्या नीतीश कुमार ने सत्ता छोड़ी है या फिर सत्ता से दूरी बनाकर अपने अगले राजनीतिक दौर की जमीन तैयार की है? अमित शाह के नेतृत्व में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने की कोशिशों की चर्चा चुनाव से पहले ही राजनीतिक गलियारों में थी, यदि यह भाजपा की रणनीति थी तो नीतीश कुमार जैसे अनुभवी राजनेता के लिए इसका जवाब केवल सत्ता बचाना नहीं बल्कि भविष्य का राजनीतिक समीकरण तैयार करना भी हो सकता था। इसी संदर्भ में निशांत कुमार की बढ़ती राजनीतिक सक्रियता को देखा जा रहा है।

नीतीश कुमार लंबे समय तक निशांत की राजनीति में संभावित एंट्री को लेकर सार्वजनिक रूप से उत्साह नहीं दिखाते रहे। लेकिन दूसरी ओर निशांत की जदयू कार्यकताओं के बीच मौजूदगी लगातार बढ़ती गई, यदि यह प्रक्रिया योजनाबद्ध थी तो इसका मकसद साफ हो सकता है- निशांत को पिता की घोषणा से नहीं, बल्कि कार्यकताओं की मांग और संगठन की स्वीकृति से आगे बढ़ते नेता के रूप में स्थापित करना। यही रणनीति इस पूरे राजनीतिक खेल को दिलचस्प बनाती है। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी उनका लंबा प्रशासनिक अनुभव, विकास की राजनीति और अपेक्षाकृत साफ छवि रही है। निशांत के सामने इसी विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती होगी, यदि जदयू आने वाले समय में उन्हें नेतृत्व के चेहरे के रूप में पेश करता है तो उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वे केवल नीतीश कुमार के पुत्र के रूप में नहीं बल्कि अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान के साथ सामने आयें, दूसरी तरफ सत्ता की जिम्मेदारी भाजपा के पास आने का राजनीतिक असर भी महत्वपूर्ण हो सकता है। सरकार के प्रदर्शन को लेकर यदि जनता में असंतोष पैदा होता है तो उसका सीधा राजनीतिक भार सत्तारूढ़ भाजपा पर पड़ेगा, ऐसी स्थिति में जदयू के पास नीतीश कुमार के शासन मॉडल और भविष्य के युवा नेतृत्व को भाजपा के विकल्प के रूप में पेश करने का अवसर होगा। यहीं, नीतीश कुमार की संभावित रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू दिखाई देता है। सत्ता से हटने के बावजूद यदि उन्होंने राजनीतिक नैरेटिव अपने पक्ष में बनाए रखा तो भाजपा सरकार के प्रदर्शन की जिम्मेदारी उठायेगी और जदयू अपने पुराने शासन की तुलना उसके साथ करेगा, यानी मुख्यमंत्री पद हाथ से जाने के बाद भी राजनीतिक लाभ की संभावना नीतीश कुमार के लिए बनी रह सकती है। फिलहाल असली मुकाबला किसी एक व्यक्ति के खिलाफ दूसरे व्यक्ति का नहीं, बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का है। भाजपा के सामने चुनौती है कि सत्ता में रहते हुए वह शासन की विश्वसनीयता बनाये रखे। जदयू के सामने चुनौती है कि वह नीतीश कुमार की विरासत को नई पीढ़ी के नेतृत्व से जोड़ सके और निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि वे पारिवारिक पहचान से आगे बढ़कर अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता साबित करें, अगर जदयू के भीतर निशांत को लेकर मांग मजबूत होती है और नीतीश कुमार की विरासत उनके पक्ष में राजनीतिक पूंजी बनती है तो आने वाले समय में उन्हें मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में आगे बढ़ाने की मांग तेज हो सकती है, तब आज के घटनाक्रम को महज सत्ता परिवर्तन के रूप में देखना मुश्किल होगा। सवाल यह होगा कि नीतीश कुमार ने सत्ता छोड़ी क्यों नहीं बल्कि सत्ता से हटकर भविष्य की सत्ता के लिए क्या तैयार किया? बिहार की सियासत में फिलहाल यही सबसे बड़ा सवाल है। अमित शाह की रणनीतिक राजनीति और नीतीश कुमार के राजनीतिक अनुभव के बीच जारी यह मुकाबला अभी खत्म नहीं हुआ है। चक्रव्यूह किसने रचा और उसे किसने तोड़ा- इसका फैसला इतिहास करेगा। लेकिन इतना तय है कि बिहार की राजनीतिक बिसात पर अगली चाल अब पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण होने वाली है।

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम। सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, कांट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिपोर्ट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा ह्यआलवेज आनह्ल मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है। सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

शिक्षा जगत में सत्यनिष्ठा की भावना जागृत हो

शिक्षा से जुड़े सभी लोगों के मन में अब कई प्रश्न उठ रहे हैं। नीट पेपर लीक के मामले में अध्यापकों की संदिग्ध भूमिका के लिए गिरफ्तारी और एनटीए के छह सौ विषय-विशेषज्ञों और पचास से अधिक अधिकारियों की बर्खास्तगी पूरी व्यवस्था की साख को धूमिल कर रही है। इन सबके बीच संलग्न व्यक्तियों की सत्यनिष्ठा संदेह के घेरे में आ गई है।

गिरीश्वर मिश्र

पिछले दिनों राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में जाहिर हुई गंभीर अनियमितताओं के चलते पहले दिल्ली, फिर रांची और पटना में नई पीढ़ी ने जिस तरह विरोध और असंतोष जताया वह अभूतपूर्व था। इन सब घटनाओं ने शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में भरोसे और सत्यनिष्ठा (इंटीग्रिटी) को प्रश्नांकित किया है। शिक्षा से जुड़े सभी लोगों के मन में अब कई प्रश्न उठ रहे हैं। नीट पेपर लीक के मामले में अध्यापकों की संदिग्ध भूमिका के लिए गिरफ्तारी और एनटीए के छह सौ विषय-विशेषज्ञों और पचास से अधिक अधिकारियों की बर्खास्तगी पूरी व्यवस्था की साख को धूमिल कर रही है। इन सबके बीच संलग्न व्यक्तियों की सत्यनिष्ठा संदेह के घेरे में आ गई है। वस्तुतः शिक्षा संस्थानों के संचालन में सत्यनिष्ठा एक धुरी का काम करती है। यही सोचकर सत्यमेव जयते नानृतम्‌ को याद किया जाता है। सत्य की विजय और असत्य की पराजय की बात जीवन की व्यवस्था को संभव बनाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय संस्कृति में प्रारंभ से ही सत्य महत्वपूर्ण मानते हुए घोषित किया गया कि सत्य पर ही धरती टिकी हुई हैः सत्येन धार्यते पृथ्वी। सत्य में स्थित होकर, धर्म के अनुकूल कर्म और लोक-संग्रह में योगदान का लक्ष्य सबके लिए निर्धारित किया गया। शिक्षा और विद्या के क्षेत्र में मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि प्रतिष्ठित किया गया। तैत्तिरीय उपनिषद में स्नातक के लिए ह्यसत्यम्‌ वदह्ल, ह्यधर्मम्‌ चरह्ल, ह्यस्वाध्यायान्मा प्रमदह्ल आदि निर्देशों का विधान, पुरुषार्थ की व्यवस्था में ह्यअर्थह्ल और ह्यकामह्ल को धर्म के अनुरूप साधने की बात कही गई। इसी तरह मन, वचन और कर्म में एका बनाए रखने को एक महात्मा का लक्षण माना गया है। बाह्य और आभ्यंतर जगत दोनों में तालमेल को वांछित ठहराया गया। इन सबका एक ही आशय था कि पारस्परिक संगति और भरोसा बना रहे। ज्ञान के अर्जन, उसके संचार और सुरक्षित रूप में अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का भार गुरु को दिया गया जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाता है । ज्ञान-दान की प्रक्रिया में गुरु द्वारा अध्ययन, प्रवचन और प्रयोग सभी आता था। जैसा कि महाकवि कालिदास ने व्यक्त किया है- कुछ गुरु स्वयं तो पूरे दक्ष होते हैं पर दूसरों को नहीं समझा पाते, कुछ ऐसे होते हैं जो दूसरों तक ज्ञान पहुँचा तो देते हैं पर खुद उतने दक्ष नहीं होते, पर श्रेष्ठ गुरु स्वयं भी दक्ष होता है और दूसरों को भी भली-भाँति सिखा देता है। अर्थात शिक्षण का कार्य सूचना का संकलन ही नहीं उसे लोगों में बांटने और जीवन में उतारने से भी जुड़ा हुआ है। इसी को ध्यान में रखकर गुरु की संस्था को परब्रह्म कह कर प्रतिष्ठित किया गयाः गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः। समाज ने गुरु से अनेक अपेक्षाएं सुनिश्चित कर दीं। मानव शिशु में में विचार और चिंतन की शक्ति देना गुरु का एकल दायित्व बना। वह शिष्यों के भौतिक, बौद्धिक, सामाजिक और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रतिश्रुत था। एक आदर्श व्यक्ति के रूप में गुरु अपने आचरण को हर तरह से निष्कलुष रखने के लिए तत्पर रहता था। गुरु के भरण-पोषण के साथ विद्यादान के लिए गुरुकुल बने जिनको संचालित करना समाज का दायित्व था पर गुरुकुल में समाज या राजा की कोई दखलंदाजी नहीं थी। भारत में की गुरुओं की परंपरा बड़ी लंबी है जिसमें वशिष्ठ, विश्वामित्र, चाणक्य, समर्थ गुरु रामदास और परमहंस रामकृष्ण जैसे महान और प्रतापी गुरु हुए जिन्होंने अपने शिष्यों से राष्ट्र को सबल नेतृत्व दिया और मानदंड स्थापित किया। वस्तुतः गुरु और शिष्य एक-दूसरे के पूरक रहे। गुरु होने के लिए निष्ठा के साथ दीर्घकाल की निःस्वार्थ साधना की जरूरत होती थी इसलिए गुरु होना सरल न था। यह अन्य व्यवसायों से इस अर्थ में भिन्न था कि इसमें गुरु को स्वायत्तता प्राप्त थी और वह भौतिक आवश्यकताओं की और निश्चिंत रहता था। वह अपने आचरण से समाज में नैतिक मानक स्थापित करता था और समाज भी अपने को गुरु का उपकृत मानता था। तभी ह्यगुरुदेवो भवह्ल का निर्देश प्रचलित हुआ और गुरु ऋण सबका दायित्व बना।

कालक्रम में अनेक परिवर्तन आते रहे और आज हम शिक्षा और शिक्षक दोनों की स्थिति में बड़ा बदलाव पा रहे हैं। आज जहाँ एक तरफ अमृतकाल में सर्वांगीण उन्नति के लिए देश कटिबद्ध हो रहा है तो दूसरी शैक्षिक सत्यनिष्ठा में गिरावट चिंता का विषय बन रहा है। अध्यापन स्तर में गिरावट, साहित्य-चोरी में वृद्धि, परीक्षा से जुड़ी अनियमितताएं और शोध कार्य में मौलिकता और समालोचक बुद्धि की जगह दुहराव की वृद्धि अकादमिक व्यवस्था में आ रहे संकट की ओर संकेत करते हैं। यह दुरावस्था अनेक कारणों से हो रही है जो मिलकर ऐसी अकादमिक पारिस्थितिकी बना रहे हैं जो गुणवतापूर्ण शिक्षा के मार्ग में लगातार रोड़े अटका रही है। विशेष रूप से शैक्षिक संस्थाओं वर्षों से अध्यापकों की संख्या में लगातार कमी, संस्थाओं में आवश्यक सुविधाओं और संसाधनों का अभाव तथा अनर्गल राजनैतिक हस्तक्षेप के चलते अकादमिक जगत की गरिमा घट रही है। अकादमिक संस्कृति का लगातार क्षरण हो रहा है। अब बढ़ते तकनीकी हस्तक्षेप के साथ गूगल और एआई का आगमन गुरु की भूमिका को विरूपित और प्रतिष्ठा को क्षतिग्रस्त कर रहा है हालांकि वे कभी भी गुरु के स्थानापन्न की भूमिका में नहीं आ सकते।

देश की बढ़ती जरूरतों के अनुसार जरूरी शिक्षा-सुधार और सम्बर्धन न होने से शिक्षा में ठहराव-सा आता गया जिसके कारण शिक्षण में अवरोध या विलंब और सेवा तथा उत्पाद की न केवल गुणवत्ता ही कम हो रही है बल्कि उनसे प्रभावित लोगों को समय, धन और अन्य संसाधनों की हानि उठानी पड़ रही है और उनका मनोबल भी कम होता जा रहा है। इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि एक लाख एकल अध्यापक वाले विद्यालय चल रहे हैं। इनमे एक ही अध्यापक सभी कक्षाओं और सभी विषयों को पढ़ाने का दायित्व निभा रहा है। ताजा घटनाओं से साफ पता चलता है कि शिक्षा जगत की लगातार उपेक्षा के चलते युवा वर्ग को अनेक तरह से मुसीबतें झेलनी पड़ रही हैं। अब नई पीढ़ी अपने अधिकारों के प्रति संवेदनशील हो रही है और उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। उपेक्षा और अवहेलना के दुष्परिणाम सरकार और जनता दोनों को सहने पड़कहना न होगा कि शिक्षा का क्षेत्र देश की मानव पूंजी की दृष्टि से विशेष महत्व का है । परंतु वास्तविकता यह है कि छात्रों की उपलब्धि में ह्रास, रोजगार के अवसरों की कमी और नियमों-कानूनों की सीमाओं के साथ कुशल मानव पूंजी की रक्षा और विकास का काम अधूरा है। इसको सक्षम और कुशल बनाने के लिए शिक्षा-व्यवस्था की प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा की स्थापना अनिवार्य शर्त होगी । सत्यनिष्ठा को मात्र निजी गुण नहीं बल्कि समाज स्वीकृत मानक के रूप में अपनाने पर ही सामाजिक राष्ट्रीय परिष्कार या नवोत्थान हो सकेगा । इस प्रसंग में हमें अपने समाज की नैतिक आधार-संरचना पर भी विचार करना होगा । यह एक

भारत फिर से सुजलाम सुफलाम कैसे बनेगा ?

वर्षा का पानी सीधे बह जाने के बजाय बड़ी मात्रा में जमीन में समाना प्राकृतिक जलचक्र की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। स्वस्थ, जैविक पदार्थों से समृद्ध और जैविक रूप से सक्रिय मिट्टी वर्षा के पानी को अधिक प्रभावी ढंग से सोख सकती है। मिट्टी में मौजूद केंचुए, सूक्ष्मजीव, जैविक पदार्थ और मिट्टी की संरचना पानी के रिसाव और भूजल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रो. अरविंद कडबे, ओलावा

सुजलाम सुफलाम के रूप में गौरवान्वित भारत के सामने आज जल का गंभीर संकट खड़ा है। देश में हर वर्ष बड़ी मात्रा में वर्षा होती है। हिमालय से निकलने वाली नदियों को वर्षा के साथ-साथ गर्मियों में हिम पिघलने से भी पानी मिलता है। इसके बावजूद अनेक नदियाँ, नाले और छोटी जलधाराएँ आज मौसमी हो गई हैं। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, अनेक जलस्रोत प्रदूषित हो चुके हैं और कृषि के सामने पानी की गंभीर चुनौती खड़ी है। मूल समस्या केवल वर्षा की मात्रा की नहीं है; समस्या है वर्षा के पानी का जमीन में समाना, उसका संरक्षण, भूजल का पुनर्भरण और नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बनाए रखना। भारत में लंबे समय तक पारंपरिक, प्राकृतिक और स्थानीय संसाधनों पर आधारित कृषि की जाती रही। स्थानीय जलवायु, मिट्टी और पानी की उपलब्धता के अनुसार विभिन्न फसलों की खेती होती थी। कृषि और पशुधन एक-दूसरे के पूरक थे। स्वतंत्रता के बाद औद्योगिकीकरण के साथ कृषि उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता महसूस हुई। हरित क्रांति के दौर में रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों और सिंचाई का बड़े पैमाने पर उपयोग शुरू हुआ। पंजाब, हरियाणा और देश के अन्य क्षेत्रों में इस कृषि मॉडल से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालाँकि, समय के साथ इस कृषि मॉडल के कुछ दुष्प्रभावों पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता महसूस हुई। रासायनिक कृषि के साथ बढ़ी सिंचाई की आवश्यकता, भूजल का अत्यधिक दोहन, मिट्टी में जैविक कार्बन एवं जैव विविधता का ह्रास तथा रासायनिक प्रदूषण ने पर्यावरण पर प्रभाव डाला है।

कृषि के लिए पानी की आवश्यकता बढ़ने के कारण कुओं, बोरवेल, नहरों और बाँधों पर निर्भरता भी बढ़ती गई। जिन क्षेत्रों में नहर का पानी नहीं पहुँच सका, वहाँ भूजल आधारित सिंचाई का विस्तार हुआ। परिणामस्वरूप अनेक क्षेत्रों में भूजल स्तर लगातार नीचे चला गया।

वर्षा का पानी सीधे बह जाने के बजाय बड़ी मात्रा में जमीन में समाना प्राकृतिक जलचक्र की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। स्वस्थ, जैविक पदार्थों से समृद्ध और जैविक रूप से सक्रिय मिट्टी वर्षा के पानी को अधिक प्रभावी ढंग से सोख सकती है। मिट्टी में मौजूद केंचुए, सूक्ष्मजीव, जैविक पदार्थ और मिट्टी की संरचना पानी के रिसाव और भूजल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब वर्षा का पानी जमीन में समाता है, तो भूजल भंडार का पुनर्भरण होता है। इसी भूजल का कुछ भाग प्राकृतिक झरनों, नालों और नदी के प्रवाह के रूप में सतह पर आता है। इससे नदी केवल वर्षा ऋतु में बहने वाली जलधारा न रहकर वर्षभर प्रवाहित रहने में सक्षम हो सकती है। इसके विपरीत, यदि मिट्टी का क्षरण बढ़े, उसकी जलधारण क्षमता कम हो और वर्षा का पानी तेजी से बह जाए, तो एक ओर बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है और दूसरी ओर गर्मियों में जलस्रोत सूख सकते हैं। इसलिए यदि नदी को बचाना है तो नदी के उद्गम से लेकर उसके पूरे जलग्रहण क्षेत्र की कृषि भूमि तक संपूर्ण जलचक्र को समझना और उसका संरक्षण करना आवश्यक है। भूजल : जमीन के नीचे का अदृश्य जलाशय

भूजल भारत की जल सुरक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण आधार है। लेकिन अनेक क्षेत्रों में कुओं और बोरवेल के माध्यम से भूजल का दोहन प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक हो गया है।

कृषि, उद्योग और बढ़ती शहरी आबादी के कारण पानी की माँग लगातार बढ़ रही है। इसके साथ वर्षा के बदलते स्वरूप, बढ़ते तापमान, जल प्रदूषण और जल प्रबंधन की कमियों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। केवल नए बोरवेल खोदकर इस संकट का समाधान नहीं किया जा सकता। जितना पानी हम जमीन से निकालते हैं, उसके अनुपात में पर्याप्त पानी वापस जमीन में पहुँचाना भी आवश्यक है। बाँध, नहरें और शहरों की बढ़ती पानी की आवश्यकता पिछले कई दशकों में सिंचाई के लिए देश में बड़े पैमाने पर बाँध और नहरें बनाई गई हैं। इन जल संरचनाओं ने कृषि, उद्योग और शहरों को पानी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन आज परिस्थितियाँ बदल गई हैं। बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण अनेक जलाशयों पर कई प्रकार की जल आवश्यकताओं का दबाव बढ़ गया है।

शहरों को पेयजल, उद्योगों को पानी और किसानों को सिंचाई–इन सभी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए जल संसाधनों पर भारी दबाव पड़ रहा है। इसलिए केवल बड़े बाँध बनाना जल संकट का अंतिम समाधान नहीं हो सकता। बड़े जलाशयों के साथ-साथ छोटे जलसंधारण कार्य, खेतों में पानी रोकना, भूजल पुनर्भरण और स्थानीय जलग्रहण क्षेत्र का प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब नदी प्रदूषित होती है तो हम अक्सर सरकार की ओर देखते हैं। सरकार की जिम्मेदारी निश्चित रूप से है; लेकिन नागरिक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है।

घरेलू सीवेज, प्लास्टिक, ठोस कचरा, औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक प्रदूषक और नदी क्षेत्रों में होने वाला अतिक्रमण- इन सभी का संयुक्त प्रभाव नदी पर पड़ता है। भारत की आबादी बहुत बड़ी है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की गतिविधि का सामूहिक प्रभाव भी बहुत बड़ा होता है। नदी को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है; नदी तक पहुँचने वाले प्रदूषण को रोकना समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। शहरों को इस्तेमाल किए गए पानी का पुनः उपयोग करना होगा शहरी क्षेत्रों का सीवेज एक बड़ी समस्या है, लेकिन उचित तकनीक और प्रबंधन के माध्यम से इसे संसाधन में बदला जा सकता है। बड़े आवासीय परिसरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट प्रभावी रूप से चलाना, उपचारित पानी का बागवानी, फ्लशिंग, औद्योगिक उपयोग अथवा अन्य उपयुक्त कार्यों में पुनः उपयोग करना आवश्यक है। इसी प्रकार महानगरपालिका, नगरपालिका और नगर परिषदों को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बिना उपचारित सीवेज नदी या नाले में न जाए। उद्योगों के लिए भी ह्यप्रीूट ी ल्र्ला फी४रीह्ल के सिद्धांत को प्राथमिकता देना आवश्यक है। जहाँ संभव हो, ह्१ङ्क छ०४ ऊ्रूं१ी अथवा न्यूनतम तरल अपशिष्ट उत्सर्जन वाली तकनीकों को अपनाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

कृषि को नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता

भारतीय कृषि आज पानी, उत्पादन लागत, बाजार मूल्य, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन और छोटे किसानों की समस्याओं जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है।भारत में बड़ी संख्या में किसान छोटे और सीमांत भू-स्वामी हैं।

संतान की खुशहाली के लिए माताएं रखेंगी व्रत

भर हर साल भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को हल षष्ठी का व्रत किया जाता है। इस बार 02 सितंबर 2026 को हल षष्ठी का व्रत किया जा रहा है। धार्मिक मान्यता है कि इस तिथि पर भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था। हल षष्ठी को चंदन षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं संतान की दीघार्यु, सुख और बेहतर सेहत के लिए व्रत करती हैं। महिलाएं इस दिन चंद्र देव को अर्घ्य दिया जाता है। तो आइए जानते हल षष्ठी की तिथि, मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में..

तिथि और मुहूर्त

वैदिक पंचांग के मुताबिक 02 सितंबर की सुबह 06:13 मिनट से भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि की शुरूआत होगी। वहीं इसी दिन मध्य रात्री के बाद यानी 3 सितंबर की सुबह 04:27 मिनट तक षष्ठी तिथि रहेगी। ऐसे में उदयातिथि के मुताबिक 02 सितंबर 2026 को हल षष्ठी का व्रत किया जाएगा।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर महुए की दातून से दांत साफ करें और स्नान आदि करके साफ कपड़े पहनें। इसके बाद व्रत का संकल्प लें और पूजा स्थल पर गाय के गोबर से हल छठ माता, हल, सप्तऋषि, पशु और किसान से संबंधित चित्र बनाएं। एक चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर कलश स्थापित करें। फिर चौकी पर भगवान गणेश और मां पार्वती की प्रतिमा को स्थापित करें।

फिर विधिविधान से पूजा-अर्चना करें और मिट्टी के कुल्हट में ज्वार की धानी और महुआ आदि रखें। वहीं मटकी में देवली-छेवली रखें। सबसे पहले हल छठ माता की पूजा करें, इसके बाद कुल्हड़ और मटकी की पूजा करें। इस पूजा में 7 तरह के अनाज, धूल के साथ भुना हुआ चना, आभूषण और हल्दी से रंगा हुआ वस्त्र अर्पित करें। परंपरा के मुताबिक भैंस के दूध से बने मक्खन से हवन करें। फिर हल छठ की कथा सुनें। पूजा के अंत में भगवान श्रीकृष्ण और बलराम की आरती करें।

महत्व

हरछठ का पर्व सिर्फ संतान की सुख-समृद्धि से जुड़ा पर्व नहीं बल्कि इस पर्व का संबंध ग्रामीण और कृषि जीवन से भी है। हल को भगवान बलराम का प्रमुख अस्त्र माना जाता है। इसलिए इस पर्व में हल और खेती से संबंधित वस्तुओं का विशेष महत्व माना जाता है। इस व्रत को करने से माताओं को संतान की अच्छी सेहत और दीघार्यु का आशीर्वाद मिलता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

56 वर्षीय व्यक्ति की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत

साहिबगंज : सदर प्रखण्ड के बड़ी कोदर जन्ना पटवर टोला में 56 वर्षीय जीछु राम पिता धन्नी राम की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई।मृतक अपने पीछे दो बेटा एक बेटी को छोड़ गए।परिजनों ने बताया कि अचानक से तीव्र गति से गंगा का जल स्तर बढ़ने के कारण घर के चारों साइड पानी घुस गया था।जिसके बाद सभी सामान को बाहर निकालने का काम किया गया।जिसके बाद वह देर शाम को उसी घर में सोने के लिए गया था।लेकिन सुबह तक घर से बाहर नहीं आने के बाद जब खोजबीन किया गया तो देखा कि वह पानी में डूब गया है जिसके बाद मुफस्सिल थाना को सुचना दी गई।सूचना पाकर मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पाण्डेय ए एस आई उमाकांत ओझा, ए एस आई केशव मालाकार घटना स्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए।

सुदिव्य कुमार के असामयिक निधन पर समाहरणालय सभागार में शोक सभा

साहिबगंज : मंत्री उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग तथा पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार के स्व. सुदिव्य कुमार जी के असामयिक निधन पर आज समाहरणालय सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उपायुक्त दीपक कुमार दूबे पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा अपर समाहर्ता विजय कुमार, मुख्यालय डीएसपी सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं समाहरणालय के कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। जबकि उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा कि स्व. सुदिव्य कुमार जी का असामयिक निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने जनसेवा एवं राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोक-संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन की तत्परता एंबुलेंस मोटर नाव बनी जीवनरक्षक सेवा

साहिबगंज : बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तक स्वास्थ्य एवं आपातकालीन सेवाओं की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एंबुलेंस मोटर नाव का संचालन किया जा रहा है।इसी क्रम में आज रामपुर दियारा क्षेत्र से एक गर्भवती महिला को एंबुलेंस मोटर नाव के माध्यम से सुरक्षित रूप से साहिबगंज लाया गया।जहां उसे तत्काल सदर अस्पताल साहिबगंज में भर्ती कराया गया। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा आवश्यक चिकित्सा सुविधा एवं देखभाल प्रदान की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 247 आपातकालीन सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं एवं त्वरित राहत व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए आमजनों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचा जिला प्रशासन खाद्य सामग्री वितरित कर हरसंभव सहयोग

साहिबगंज : बाढ़ की विषम परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों तक प्रशासनिक सहायता एवं राहत सामग्री की त्वरित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द एवं अंचलाधिकारी साहिबगंज बासुकीनाथ टुडू ने सदर प्रखंड के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया।इस दौरान पदाधिकारियों ने कारगिल दियारा गरम टोला सहित अन्य बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच आवश्यक खाद्य सामग्री का वितरण करते हुए उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।पदाधिकारियों ने प्रभावित ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें भरोसा दिलाया कि विपदा की इस घड़ी में जिला प्रशासन उनके साथ पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ खड़ा है। प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने राहत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करने का आश्वासन दिया गया।अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की सतत निगरानी, आवश्यक सामग्री की उपलब्धता तथा आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

भाजपा साहिबगंज ग्रामीण मंडल की मासिक बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

प्रदेश महामंत्री ने कहा कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज ग्रामीण मंडल की संगठनात्मक मासिक बैठक रविवार को शक्ति केंद्र हाजीपुर पश्चिम के मंडल मंत्री शंभू रजक के आवास पर मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की सक्रियता तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह ने कार्यकताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी हैं।उन्होंने कार्यकताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम यादव ने कार्यकताओं को संगठन के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझते हुए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।वहीं राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा ने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण से ही संगठन को नई धार मिल सकती है।उन्होंने कार्यकताओं से जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया।प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी ने कार्यकताओं को संगठन के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने की सलाह दी।मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने सभी कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता सक्रियता से कार्य करें।कार्यक्रम का मंच संचालन मंडल महामंत्री ओम प्रकाश पांडेय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री राम प्रताप चौधरी ने किया।बैठक में प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष गौतम यादव,पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी,मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल,पूर्व मंडल अध्यक्ष अरविंद गुप्ता,पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय कुमार,मंडल उपाध्यक्ष पवन कुमार यादव,निशा देवी,मंडल कोषाध्यक्ष गोपाल शाह,महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता देवी,मंडल मंत्री किरण देवी,शंभू रजक सहित आलोक कुमार,उज्ज्वल कुमार,यशवंत पासवान,विक्की बंद, अभिनंदन कुमार,नीरज कुमार,मनोज सिंह,रामावत सिंह,मुकेश सिंह, होरिल मंडल,राजबली मंडल,विपिन कुमार,अभिषेक ओझा,कुंदन कुमार, अरविंद यादव,नारायण मंडल, सियाराम सिंह,मंटू मंडल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहीद सीआरपीएफ जवान शाहनवाज आलम की मनाई गई दूसरी शहादत दिवस

नगर परिषद अध्यक्ष,ईओ,नपं अध्यक्ष डीएसपी इंस्पेक्टर सहित लोगों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता

साहिबगंज : छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए शहर के कुलीपाड़ा मोहल्ला निवासी सीआरपीएफ जवान मो.शाहनवाज आलम की रविवार को दूसरी शहादत दिवस मनाई गई।कुलीपाड़ा स्थित। शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा में शहीद के पिता,पत्नी,भाइयों सहित परिजनों,नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान,नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह,राजमहल नगर परिषद अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख,डीएसपी रविकांत साव,नगर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता.जिरवाबड़ी थाना प्रभारी सहित मोहल्ले वासियों,सामाजिक कार्यकताओं,युवाओं व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।वही लोगों ने कहा कि शाहनवाज आलम ने देश की रक्षा व सेवा के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया।उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है।ज्ञात हो कि मो शम्स तबरेज के पुत्र मो शहनवाज की अप्रैल 2013 में सीआरपीएफ में बहाली हुई थी।उनकी पहली तैनाती जम्मू-कश्मीर में हुई थी।बाद में स्थानांतरण के बाद मो शहनवाज छत्तीसगढ़ पहुंचे।जहां दंतेवाड़ा में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए।उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता।इस दौरान समाजसेवियों ने घाट रोड का नाम शहीद मो शहनवाज के नाम पर रखने की मांग की।नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव लाकर प्रक्रिया पूरी करेंगे।मौके पर समाजसेवी सिद्धेश्वर प्रसाद मंडल,भाजपा नेता गणेश प्रसाद तिवारी,राजीव चौधरी,आनंद मोदी, कांग्रेस नेता अखलाक नदीम,मो रिजवान,शाहजहां अंसारी,कांग्रेस नेता मुर्शाद अली,विनोद यादव, बास्कीनाथ यादव,मोहम्मद कलीम, राजू अंसारी,अजमत हुसैन,रमजान अली,मो शकील,इमाम,अजमत हुसैन,आजाद हुसैन सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

जिले के दो शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के लिए गौरव का क्षण मुसाय नायक सीता देवी एजुकेशनल ट्रस्ट,रौसड़ा,समस्तीपुर बिहार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व निपुण भारत मिशन के तहत शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट नवाचारी कार्य करने वाले देश के विभिन्न राज्यों के 200 शिक्षक और दिनांक6 सितंबर 2026 को पालकी व्यू पैलेस, रौसड़ा,समस्तीपुर में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया।इस समारोह में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय,साहिबगंज के दो शिक्षक मनोहर शर्मा एवं कुमार बागीश को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।दोनों शिक्षकों द्वारा नवाचार टीएल एम निर्माण, एफएलएन, समावेशी शिक्षा डिजिटल शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।समारोह में मुख्य रूप से सत्येंद्र कुमार नायक, संयोजक,मुसाय नायक सीता देवी एजुकेशनल ट्रस्ट,डॉ.राज भूषण चौधरी,केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री, भारत सरकार,अरुण शंकर प्रसाद, युवा,रोजगार एवं कौशल विकास मंत्री,बिहार सरकार,प्रो.एन.के. अग्रवाल निदेशक,उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार,डॉ.तरुण कुमार, सदस्य,बिहार विधान परिषद एवं वीरेंद्र कुमार सदस्य,बिहार विधानसभा,रौसड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही।अतिथियों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की गई ।एनईपी 2020, निपुण भारत मिशन, एफ एल एन,नवाचार डिजिटल शिक्षा को प्रभावी बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।मनोहर शर्मा एवं कुमार बागीश को प्राप्त यह राष्ट्रीय सम्मान मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय, साहिबगंज के साथ-साथ पूरे साहेबगंज जिले के लिए गौरव की बात है।

कठिन समय में पूरा संगठन विकास के साथ खड़ा है : अरविंद

साहिबगंज : झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जिला इकाई साहिबगंज के तत्वावधान में रविवार को संगठन से जुड़े सदस्य विकास कुमार शर्मा के आवास पर जेजेए के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। विकास कुमार शर्मा लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे हैं और फिलहाल स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं।इस दौरान जेजेए के साहिबगंज जिला प्रभारी प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार जिलाध्यक्ष चंदन सिंह,अरबिंद यादव,आलोक कुमार,सहेन्द्र,अफसर अली,गुलजार समेत संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

बाढ़ की विषम परिस्थिति में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना जरूरी : चंदन सिंह

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में बाढ़ की स्थिति के बीच झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जिला इकाई साहिबगंज के पत्रकारों ने खबर संकलन के साथ मानवीय पहल करते हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच भोजन का वितरण किया।जेजेए जिलाध्यक्ष चंदन सिंह के नेतृत्व में पत्रकारों की टीम ने बिरसा मुंडा गंगा घाट शकुंतला सहाय गंगा घाट पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच दाल, भात और सब्जी का वितरण किया। इस दौरान बच्चों,बुजुर्गों और अन्य जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया।पत्रकारों ने कहा कि आपदा के समय केवल घटनाओं की खबर पहुंचाना ही नहीं बल्कि जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना भी सामाजिक जिम्मेदारी है।इसी उद्देश्य से जे जे ए के सदस्यों ने सामूहिक निर्णय लेकर बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच निस्वार्थ भाव से भोजन वितरण किया।इस पहल के दौरान पत्रकारों ने कहा कि बाढ़ की विषम परिस्थिति में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना जरूरी है।जरूरतमंद लोगों को भोजन कराने के बाद जे जे ए के सदस्यों ने संतोष व्यक्त किया और आगे भी यथासंभव सहयोग जारी रखने की बात कही।मौके पर अरविन्द ठाकुर,चन्दन सिंह,नवीन कुमार,आलोक कुमार,प्रवीण कुमार, मो गुलजार,चन्दन कुमार चौधरी, अमित चौधरी सहित अन्य थे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्यक्रम स्थगित

साहिबगंज : मंत्री सुदिव्य कुमार के आकस्मिक निधन पर झारखण्ड सरकार द्वारा घोषित दो दिवसीय राजकीय शोक व 7 सितंबर को घोषित अवकाश के मद्देनजर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के निमित्त सुनवाई कार्यक्रम रहेगा स्थगित मंत्री नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग तथा पर्यटन कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखण्ड सरकार श्री सुदिव्य कुमार के आकस्मिक निधन को लेकर झारखण्ड सरकार द्वारा 6 सितंबर और 7 सितंबर को राजकीय शोक घोषित किया गया है।

प्राचार्य ने शिक्षक की भूमिका और एआई के सदुपयोग पर दिया संदेश

संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज महाविद्यालय के शिक्षा संकाय बीएड विभाग में शिक्षा स्नातक के प्रशिक्षुओं द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह थे।कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि के स्वागत में पुष्प अर्पित कर एवं तिलक लगाकर की गई। इसके पश्चात भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। जबकि बीएड प्रशिक्षुओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रशिक्षु प्रभात पांडे, प्रीति एवं आकांक्षा ने मधुर गायन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वहीं कुमार आदर्श ने हास्य-परिहास से परिपूर्ण कविता प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बीएड प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और समाज के भविष्य को दिशा देने वाला महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने वर्तमान समय में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता जाई के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए इसके सकारात्मक व रचनात्मक उपयोग के लिए प्रशिक्षुओं को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक तकनीक का महत्वपूर्ण साधन है और इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि मनुष्य उसका उपयोग किस उद्देश्य से करता है।बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. डेविड यादव ने समाज के निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें नैतिक मूल्यों, अनुशासन, जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का विकास भी करते हैं।कार्यक्रम का मंच संचालन बीएड प्रशिक्षु सबीहा नाज, विशाल दत्ता एवं आरिफ हसन कादरी ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समारोह का समापन किया गया।इस अवसर पर बीएड विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रविंद्र प्रसाद, प्रो. रेखा चौधरी, प्रो. हेमलता साह, प्रो. नितिन कुमार, प्रो. चंद्रशेखर प्रमाणिक, प्रो. कुमार प्रशांत भारती, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. मोहम्मद असदुल्लाह, प्रो. अदिति सुरीन, डॉ. सुनीता कुमारी, प्रो. प्रदीप कुजुर, डॉ. विनय कुमार सहित बड़ी संख्या में बीएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम घोषित, लाबुशेन पर फिर जताया भरोसा

एजेंसी

सिडनी : बांग्लादेश के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी टेस्ट दौरे के लिए मार्नस लाबुशेन को टीम में बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला 9 अक्टूबर से शुरू होगी। यह 2018 के विवादित दौरे के बाद पहली बार होगा जब ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। लाबुशेन को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में केवल 1, 31 और 4 रन बनाने के बावजूद टीम में जगह मिली है। उनका आखिरी टेस्ट शतक तीन साल पहले मैनचेस्टर में आया था। ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उन पर भरोसा बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया ने टीम में युवा ऑलराउंडर कूपर कोनोली को भी शामिल किया है। कोनोली ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था और उनके नाम अभी सिर्फ एक टेस्ट मैच है। मैथ्यू कुह्नेमैन और माइकल नेसर को भी टीम में जगह मिली है। कुह्नेमैन बाएं हाथ के स्पिनर हैं और वह ऑफ स्पिनर नाथन लियोन को अतिरिक्त स्पिन विकल्प प्रदान करेंगे। वहीं, नेसर अपनी ऑलराउंड क्षमताओं के कारण दक्षिण अफ्रीका में उपयोगी

साबित हो सकते हैं। पिंडली की चोट के कारण वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे। 2025-26 की एशेज श्रृंखला में तीन मैचों में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले नेसर के अपने जन्म के देश दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के सलामी जोड़ीदार के रूप में मैथ्यू रेनशॉ को भी बरकरार रखा है। डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद रेनशॉ ने जेक वेदराल्ड की जगह ली थी। पिछले घरेलू सत्र में शेफील्ड शील्ड के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज रहे रेनशॉ ने 10 पारियों में तीन शतक लगाए थे। मैके टेस्ट की एकमात्र पारी में वह आठ रन पर आउट हुए, लेकिन चयनकताओं ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन्हें फिर मौका दिया है।दक्षिण अफ्रीका दौरे का पहला टेस्ट 9 अक्टूबर से डरबन के किंग्समीड में खेला जाएगा। इसके बाद 18 अक्टूबर से गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में दूसरा टेस्ट होगा, जबकि श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला 27 अक्टूबर से केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम:

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुह्नेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

राम यशवर्धन ने बताया सोशल मीडिया से क्यों रहते हैं दूर, बोले- 'मैं इसे अपना रिज्यूमे नहीं मानता'

अभिनेता राम यशवर्धन ने पौराणिक किरदारों के जरिए टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाई है। 'शिव शक्ति- तप त्याग तांडव' में भगवान शिव का किरदार निभाने के बाद राम घर-घर में पहचाने जाने लगे। अब वह अगले प्रोजेक्ट 'अज्ञातवास' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह महाभारत के मशहूर किरदार दुर्योधन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस बीच उन्होंने निजी जिंदगी से जुड़ी कई बातें शेयर की। अभिनेता ने बताया कि वह सोशल मीडिया पर अपनी कोई खास इमेज बनाने की कोशिश नहीं करते। इसके अलावा, उन्होंने परिवार, फिटनेस और लिखने के शौक के बारे में भी खुलकर बात की। राम यशवर्धन ने कहा, ''जब सोशल मीडिया पर मौजूदगी की बात आती है तो मैं इसके लिए कोई अलग या सोच-समझकर ब्रांड बनाने की कोशिश नहीं करता। मैं असल जिंदगी में जैसा हूं, सोशल मीडिया पर भी वैसा ही हूं। मैं इसे अपना रिज्यूमे नहीं मानता। यह मैं हूं, मेरी जिंदगी है और मैं कितना खुश हूं, वही सोशल मीडिया पर नजर आता है। राम ने कहा, ''आज के दौर में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए काफी जरूरी हो गया है। किसी अभिनेता की एक्टिंग के साथ-साथ सोशल मीडिया पर मौजूदगी भी लोगों के बीच उसकी पहचान बनाने में मदद करती है। मैं खुद सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रह पाता। ऐसा नहीं है कि मैं सोशल मीडिया पर रहना पसंद नहीं करता, बस इसके लिए ज्यादा समय नहीं निकाल पाता। उन्होंने आगे कहा, ''सोशल मीडिया से दूर रहने की एक वजह मेरी निजी जिंदगी भी है। मैंने खुद को पूरी तरह फैमिली पर्सन बनाया हुआ है। जब शूटिंग नहीं होती, तो मैं अपना ज्यादातर समय घर पर परिवार के साथ बिताना पसंद करता हूं। परिवार के साथ मस्ती करना, पार्टी करना और आराम से समय बिताना मुझे काफी पसंद है।'

यूएस ओपन: कार्लोस अल्कराज ने टॉमी पॉल को हराया, लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी

न्यूयॉर्क : गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। अल्कराज इस साल फ्लशिंग मीडोज में लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अब तक शानदार फॉर्म दिखाई है। टॉमी पॉल पर जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 18 मैच तक पहुंच गया है। जीत के बाद अल्कराज ने पत्रकारों से कहा, ह्लमैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस समय मेरा स्तर कहां है। टॉमी को हराना हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया देता है और इससे पता चलता है कि

आप इस समय किस स्तर पर हैं। आज मैंने जो कुछ किया, उससे मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, ह्लमैं खेल को बहुत अच्छी तरह समझ पा रहा था। मुझे पता था कि हर समय क्या करना है और किस मौके पर किन चीजों का इस्तेमाल करना है। उम्मीद है कि मैं इसी लय को बनाए रखूंगा। मुकाबले के तीसरे सर्विस गेम में अल्कराज को टॉमी पॉल की ओर से कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने करीब 161 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगाए गए शानदार फोरहैंड विनर से इसका जवाब दिया। उनके इस शॉट ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को खड़े होकर तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। दूसरे सेट में अल्कराज ने शुरूआत में ही 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन अल्कराज ने फिर अपनी गति बढ़ाई और सेट पर कब्जा कर लिया। तीसरे सेट में उन्हें अंत में थोड़ी चुनौती मिली, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा और निर्णायक अंक हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। अल्कराज ने यूएस ओपन में अपनी छह भागीदारी में पांचवीं बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अब अंतिम आठ के मुकाबले में उनका सामना एक और अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन से होगा।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : ईशान किशन की शतकीय पारी से मजबूत स्थिति में ईस्ट जोन

चेन्नई : चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी-2026 के फाइनल मुकाबले के पहले दिन ईस्ट जोन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए साउथ जोन के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक ईस्ट जोन ने चार विकेट पर 385 रन बना लिए हैं। कप्तान एवं स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन 111 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि कुमार कुशाग्र 63 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। फाइनल में टॉस जीतकर ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम ने आक्रामक अंदाज में शुरूआत की। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने तेजतर्रार पारी खेलते हुए 37 गेंदों पर 44 रन बनाए, हालांकि वह अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। इसके बाद अभिमन्यु ईश्वरन ने मोर्चा संभाला और 86 गेंदों पर 72 रनों की उपयोगी पारी खेली। ईस्ट जोन के बल्लेबाजों ने साउथ जोन के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। शिखर मोहन ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 85 रन बनाए। उन्होंने कप्तान ईशान किशन के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शिखर के आउट होने तक ईस्ट जोन का स्कोर 241 रन तक पहुंच चुका था। इसके बाद कप्तान ईशान किशन और कुमार कुशाग्र ने टीम को बड़े स्कोर की ओर तेजी से आगे बढ़ाया। कुशाग्र ने शानदार अर्धशतक जड़ते हुए टीम को 350 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। ईशान किशन ने कप्तानी पारी खेलते हुए शानदार शतक पूरा किया। उन्होंने 122 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने 4,000 रन भी पूरे कर लिए। किशन की आक्रामक और आत्मविश्वास से भरी पारी ने ईस्ट जोन को फाइनल के पहले ही दिन मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

400 साल पुराना मीरा का कृष्ण भजन आज भी है जन्माष्टमी की शान

400 साल पुराना है ये कृष्ण बजन

जब बात कृष्ण भजन की आती है तो मीरा के भजन को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है। कृष्ण की अनन्य भक्त मीरा ने कई भजन अपने प्रिय कान्या के लिए बनाए थे जो आज भी उतने ही लोकप्रिय है। लेकिन आज हम जिस भजन की बात करने जा रहे हैं वो थोड़ा खास है क्योंकि यह गीत लगभग 400 साल पुराना है और आज भी यह भजन कृष्ण भक्त गुनगुनाते हैं और इसकी धुन पर झूमते भी हैं।

गहरा है इसका अर्थ

मीरा बाई के द्वारा लिखा गया यह भजन उनका भगवान कृष्ण के प्रति उनके अटूट प्रेम और समर्पण को दर्शाता है। वहीं जितना ये गाना सुनने में मेलोडियस लगता है उतना ही गहरा इसका अर्थ भी है। इस भजन के बोल हैं- पग पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे इस भजन को मीरा बाई ने 16वीं शताब्दी में लिखा था , शुरुआती पंक्तियों का मतलब है - पैरों में घुंघरू बांधकर मीरा नाचीं; मैं खुशी-खुशी अपने प्रभु (नारायण) की दासी बन गई हूं।

जन्माष्टमी की शान है ये गीत

जन्माष्टमी 2026 के मौके पर ये गीत आपको कहीं ना कहीं जरूर सुनने को मिलेगा। भले ही फिल्मी वर्जन ज्यादा पॉपुलर हो गया हो लेकिन इसकी प्रेरणा मीरा बाई का 400 पुराना गीत ही है।

सिनेमा में रीक्रिएट हुआ गीत

400 साल पुराने इस गीत की ख्याति बॉलीवुड को भी इसे रीक्रिएट करने से रोक नहीं पाई। इस मशहूर गीत की शुरुआती लाइन से प्रेरित होकर गीतकार अनजान ने फिल्म 'नमक हलाल' (1982) के मशहूर हिंदी गाने पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी के बोल लिखे थे। इसे किशोर कुमार ने अपनी जादुई आवाज से सजाया था। इस गीत को महानायक अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया था। इस गाने में उनके साथ अभिनेत्री स्मिता पाटिल भी नजर आती हैं। वहीं इस गीत का संगीत बप्पी लाहिरी ने तैयार किया था।

दायरा के ट्रेलर पर बॉलीवुड हुआ फिदा!

आलिया भट्ट से लेकर विक्की कौशल तक, सितारों ने जमकर लुटाया प्यार!

नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर मेघना गुलज़ार के साथ 'राज़ी' में काम कर चुकीं आलिया भट्ट ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, 'दिस कास्ट प्लस माय फेवरेट डायरेक्टर... से नो मोर।' यानी इतनी शानदार कास्ट और मेरी फेवरेट डायरेक्टर... अब और क्या ही कहें! वहीं 'सैम बहादुर' में मेघना गुलज़ार के साथ काम कर चुके विक्की कौशल ने उनकी उस काबिलियत की तारीफ की, जिसके जरिए वह 'ब्लर्ड लाइन्स वाली दुनिया' को एक्सप्लोर करती हैं। साथ ही उन्होंने करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की 'जुगलबंदी' को देखने के लिए अपनी एक्साइटमेंट भी जाहिर की। इस एक्साइटमेंट को एकदम परफेक्टली समेटते हुए करण जौहर ने लिखा, 'सो मेनी फेवरेट्स इन वन फिल्म!' यानी एक ही फिल्म में इतने सारे फेवरेट्स! उन्होंने मेघना गुलज़ार के 'जीनियस एट प्ले' की तारीफ करते हुए पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। सोहा अली खान और करीना कपूर खान की बहन करिश्मा कपूर भी 'दायरा' के ट्रेलर की तारीफ करने वालों में शामिल रहीं और उन्होंने भी सोशल मीडिया पर फिल्म के लिए अपना प्यार जाहिर किया। इंडस्ट्री पहले ही 'दायरा' के ट्रेलर पर अपना प्यार बरसा रही है। ऐसे में साफ है कि इस ट्रेलर ने बॉलीवुड के दिल में अपनी जगह बना ली है। अब 18 सितंबर का काउंटडाउन ऑफिशियली शुरू हो चुका है! जंगली पिक्चर्स और डॉक्टर जयंतिलाल गडा (पेन स्टूडियोज़) द्वारा प्रोड्यूस की गई और पेन मरुधर द्वारा डिस्ट्रीब्यूट की जा रही 'दायरा' 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

मुंबई 'दायरा' के ट्रेलर ने रिलीज़ होते ही बॉलीवुड में हलचल मचा दी है। कई बड़े सितारे सोशल मीडिया पर मेघना गुलज़ार की इस नई फिल्म को लेकर अपना एक्साइटमेंट जाहिर कर चुके हैं। कोई फिल्म की पूरी कास्ट को 'पावरहाउस' बता रहा है, तो कोई फिल्ममेकर मेघना गुलज़ार की 'ताकत और संवेदनशीलता' की तारीफ कर रहा है। यानी फिल्म को लेकर इंडस्ट्री में बज़ अभी से काफी हाई है!

भोजपुरी सिनेमा को सिर्फ डबल मीनिंग गानों से जोड़ने पर मोनालिसा ने जताई नाराजगी

बोलीं- पूरी इंडस्ट्री को जज करना सही नहीं

मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने रीजनल इंडस्ट्री से निकलकर नेशनल टेलीविजन और मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। लंबे समय से भोजपुरी सिनेमा को लेकर ग्लैमर, डबल मीनिंग गानों और अश्लील कंटेंट की चर्चा होती रही है। इस लेकर मोनालिसा का मानना है कि कुछ गानों या म्यूजिक वीडियो के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों को लेकर राय बनाने वाले कई लोगों ने शायद असल में फिल्में देखी ही नहीं हैं। से खास बातचीत में मोनालिसा ने भोजपुरी एंटरटेनमेंट में अश्लीलता को लेकर होने वाली आलोचनाओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ''मैं कई सालों से भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर इस तरह की बातें सुनती आ रही हूं। मुझे लगता है कि लोगों की सोच फिल्मों से ज्यादा उन म्यूजिक वीडियो की वजह से बनी है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल होते हैं और लाखों-करोड़ों व्यूज हासिल करते हैंऔर उसी के आधार पर वे पूरी इंडस्ट्री को जज करने लगते हैं।'' मोनालिसा ने कहा, ''हर भोजपुरी फिल्म को एक ही नजर से देखना ठीक नहीं है।

'रामायण पार्ट 1' का क्लाइमैक्स हुआ रिवील

रणबीर कपूर की फिल्म के आखिर में होगा बड़ा खुलासा!

रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर 'रामायण' में भगवान राम और माता सीता का किरदार निभा रहे हैं, जबकि यश फिल्म में रावण के रोल में नजर आएंगे। अब फिल्म के पहले पार्ट के क्लाइमैक्स को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रणबीर कपूर की 'रामायण' इस समय सबसे ज्यादा चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म के पहले पार्ट के क्लाइमैक्स को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है।

क्लाइमैक्स में क्या है खास?

फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद एक सवाल लगातार चर्चा में था कि हनुमान जी के किरदार में सनी देओल कहां हैं? अब खबर है कि सनी देओल के किरदार को ट्रेलर में इसलिए नहीं दिखाया गया है, क्योंकि 'रामायण पार्ट 1' के क्लाइमैक्स में हनुमान जी की झलक दिखाई जाएगी। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मुताबिक 'रामायण पार्ट 1' का अंत हनुमान जी की एक झलक के साथ हो सकता है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि, 'यह या तो फिल्म खत्म होने से ठीक पहले का आखिरी सीन हो सकता है, जब एंड क्रेडिट्स शुरू हों, या फिर इसे मिड-क्रेडिट या पोस्ट-क्रेडिट सीन के तौर पर दिखाया जा सकता है।' सूत्र ने आगे बताया कि मेकर्स को उम्मीद है कि पार्ट 1 के आखिर में भगवान हनुमान की एंट्री सिनेमाघरों में दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा करेगी।

युद्ध हो या समुद्री संकट, अब दुनिया के किसी कोने में भारतीय नाविक नहीं होंगे गुम

-डीजीएमए ने आसमान में बिछाई आंखें
-भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए डीजीएमए ने शुरू किया सीफेयरर ट्रैकिंग मॉड्यूल

एजेंसी

कोलकाता : हिंद महासागर क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक हालात और समुद्री सुरक्षा से जुड़े खतरों के बीच भारत ने अपने नाविकों की सुरक्षा को लेकर निगरानी तंत्र मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। समुद्री प्रशासन महानिदेशालय ने ई-नैविक पोर्टल पर सीफेयरर ट्रैकिंग मॉड्यूल शुरू किया है। इसका मकसद भारतीय और विदेशी झंडे वाले जहाजों पर तैनात भारतीय नाविकों की स्थिति और उनके जहाजों की आवाजाही से जुड़ी जानकारी को एक केंद्रीकृत व्यवस्था में उपलब्ध कराना है। इसका खास तौर पर लाभ बंगाल की खाड़ी में मिलेगा जो बांग्लादेश और चीन के साझा खतरे से निपटने के लिए बेहद जरूरी था। बंगाल की खाड़ी में भारत और बांग्लादेश की समुद्री सीमा पर रोजी-रोटी की तलाश में निकले मछुआरों के लिए हर साल का सफर बेहद जोखिम भरा साबित होता है। तटरक्षक बलों और मछुआरा संगठनों के पिछले चार-पांच सालों के आंकड़े बताते हैं कि खराब मौसम, चक्रवाती तूफानों और इंजन की खराबी के चलते हर साल दोनों देशों के औसतन 150-200 नाविक व मछुआरे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार भटक जाते हैं या समुद्र के बीचों-बीच फंस जाते हैं। इनमें से जहां अधिकांश को तटरक्षक बलों के संयुक्त अभियानों और फ्लैग बैठकों के जरिए बचाकर सुरक्षित स्वदेश वापस भेज दिया जाता है, वहीं उफनती लहरों और नाव पलटने की त्रासदियों में हर साल 30 से 50 मछुआरे या तो गहरे समुद्र में डूबकर जान गंवा बैठते हैं या हमेशा के लिए लापता हो जाते हैं। छोटे ट्रॉलरों में आधुनिक जीपीएस और नेविगेशन सिस्टम की कमी के कारण जून से अक्टूबर के मॉनसून सीजन में यह संकट सबसे ज्यादा गहराता है।

डीजीएमए ने बंगाल की खाड़ी के अलावा हॉर्मुज जलडमरूमध्य, फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी, लाल सागर, अदन की खाड़ी, बाब-अल-मंदेब, काला सागर और सोमालिया के आसपास के समुद्री इलाकों को उच्च जोखिम वाला क्षेत्र बताया है। फिलहाल इन क्षेत्रों में भारतीय नाविकों की मौजूदगी पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। लेकिन इस पूरी व्यवस्था का महत्व बंगाल की खाड़ी के लिए भी कम नहीं है। बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर का एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है और भारत के पूर्वी तट, बंदरगाहों तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए इसकी रणनीतिक भूमिका बेहद अहम है।

किसी समुद्री दुर्घटना, जहाज पर हमले, आग, समुद्री डकैती या किसी दूसरे आपात हालात में सबसे महत्वपूर्ण सवाल होता है कि प्रभावित जहाज कहां है और उस पर कितने भारतीय नागरिक मौजूद हैं। अभी तक ऐसी जानकारी कई बार अलग-अलग एजेंसियों, शिपिंग कंपनियों और जहाज संचालकों के जरिए हासिल करनी पड़ती है। नए मॉड्यूल का उद्देश्य इसी सूचना तंत्र को एक जगह लाना है। इसमें जहाज की पहचान, उसकी स्थिति, यात्रा से जुड़ी जानकारी, जहाज पर मौजूद भारतीय नाविकों का विवरण और संबंधित भर्ती एवं नियुक्ति एजेंसी की जानकारी दर्ज की जाएगी। जहाज की वास्तविक स्थिति उपलब्ध नहीं होने पर संबंधित भौगोलिक क्षेत्र का चयन कर जानकारी दर्ज करने की व्यवस्था भी रखी गई है। यानी आपात स्थिति में सरकार के सामने सिर्फ जहाज का नाम नहीं, बल्कि उससे जुड़े भारतीय नाविकों का केंद्रीकृत विवरण उपलब्ध कराने की कोशिश है। बंगाल की खाड़ी में भारत के कई महत्वपूर्ण बंदरगाह हैं और यहां से बड़ी संख्या में मालवाहक जहाजों की आवाजाही होती है। कोलकाता और हल्दिया जैसे बंदरगाह पूर्वी भारत के व्यापारिक ढांचे का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसके अलावा यह क्षेत्र भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र से जोड़ने वाले समुद्री संपर्क का भी हिस्सा है। ऐसे में बंगाल की खाड़ी में किसी बड़े समुद्री हादसे या सुरक्षा संकट की स्थिति में भारतीय नाविकों की मौजूदगी का अद्यतन रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध होना राहत और बचाव अभियान के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। यही वजह है कि डीजीएमए की नई व्यवस्था को केवल पश्चिम एशिया या काला सागर के मौजूदा संकट तक सीमित करके देखने के बजाय भारत की व्यापक समुद्री सुरक्षा व्यवस्था के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, यह व्यवस्था फिलहाल बीटा संस्करण में चल रही है और इसमें काफी हद तक संबंधित भर्ती एजेंसियों तथा जहाज कंपनियों को जानकारी अपडेट करनी होगी। डीजीएमए का कहना है कि वह भविष्य में इस प्रक्रिया को अधिक स्वचालित बनाने के विकल्प तलाश रहा है, ताकि मैनुअल जानकारी भरने पर निर्भरता कम हो।

रोजाना अपडेट होगी जहाज की स्थिति

नये मॉड्यूल की खासियत यह है कि शुरूआती स्तर पर जहाज और उसमें मौजूद भारतीय चालक दल की पूरी जानकारी दर्ज करने के बाद जहाज की स्थिति को रोजाना अपडेट करना होगा। चालक दल के किसी सदस्य के जहाज पर आने या उतरने की जानकारी भी नियमित रूप से अपडेट करनी होगी। इससे किसी खास समय पर यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि किसी जोखिम वाले समुद्री क्षेत्र में कितने भारतीय नाविक मौजूद हैं और वे किन जहाजों पर तैनात हैं।

असली चुनौती - क्या सूचना समय पर अपडेट होगी?

ट्रैकिंग व्यवस्था की सफलता सिर्फ तकनीक पर निर्भर नहीं करेगी। बल्कि सबसे बड़ी चुनौती आंकड़ों को लगातार और सही तरीके से अपडेट करना होगी। यदि जहाज की स्थिति या चालक दल में बदलाव की जानकारी समय पर दर्ज नहीं हुई तो आपात स्थिति में उपलब्ध आंकड़ा पुराना हो सकता है। इसीलिए डीजीएमए ने जहाज मालिकों, संचालकों और संबंधित भर्ती एजेंसियों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मौजूद जहाजों और भारतीय चालक दल की जानकारी प्राथमिकता के आधार पर अपडेट करने को कहा है।

पश्चिम एशिया और काला सागर की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

नए मॉड्यूल की जरूरत को हाल के घटनाक्रम से समझा जा सकता है। विदेश मंत्रालय से साझा की गई जानकारी के अनुसार, मध्य-पूर्व संकट में अब तक दस भारतीय नाविकों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा काला सागर क्षेत्र में पांच और भारतीय नाविकों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। इन घटनाओं ने यह सवाल और गंभीर बना दिया है कि संकट की स्थिति में सरकार के पास विदेशों में मौजूद भारतीय नाविकों की कितनी ताजा और सटीक जानकारी उपलब्ध है। यही वह जगह है जहां नया ट्रैकिंग मॉड्यूल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि किसी जहाज की स्थिति, उसके मार्ग और उस पर मौजूद भारतीय नाविकों की जानकारी एक ही प्रणाली में उपलब्ध हो, तो संकट के दौरान संबंधित सरकारी एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने और प्रतिक्रिया शुरू करने में लगने वाला समय कम किया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल में डेंगू का बढ़ता प्रकोप, मरीजों की संख्या साढ़े चार हजार के पार

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मानसून के बीच डेंगू का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में इस साल डेंगू संक्रमितों की संख्या साढ़े चार हजार के पार पहुंच गई है। संक्रमण के मामले में कोलकाता राज्य में दूसरे स्थान पर है, जबकि जिलों में मुर्शिदाबाद सबसे आगे है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 30 अप्रैल तक राज्य में डेंगू के 770 मामले सामने आए थे। 31 जुलाई तक यह संख्या बढ़कर एक हजार 946 हो गई और 31 अगस्त तक संक्रमितों की संख्या तीन हजार 966 पहुंच गई। इसके बाद भी संक्रमण का सिलसिला जारी है। दो सितंबर तक मुर्शिदाबाद में डेंगू के 870 मामले दर्ज किए गए। पिछले सात दिनों में ही यहां 96 नए मरीज मिले हैं। नदिया जिले के नोवादा प्रखंड में भी डेंगू की रोकथाम के लिए घर-घर छिड़काव और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है लेकिन संक्रमण में कमी नहीं दर्ज की जा रही है। वहीं, कोलकाता में दो सितंबर तक 402 लोग डेंगू की चपेट में आ चुके थे। पिछले सात दिनों में शहर में 62 नए मामले सामने आए। उत्तर 24 परगना में 346, मालदा में 331, दक्षिण 24 परगना में 324, नदिया में 316, हुगली में 293 और हावड़ा में 276 मामले दर्ज किए गए हैं। पूर्व बर्धमान में 233 और पश्चिम बर्धमान में 140 संक्रमित मिले हैं। डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अभियान तेज करने की तैयारी की है। स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखर्जी ने कहा कि सात सितंबर से अभियान शुरू किया जाएगा और इसकी गतिविधियों की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी। उन्होंने स्कूलों से बच्चों को पूरी बांह की शर्ट पहनकर आने के लिए कहने की बात भी कही है। मानसून के दौरान डेंगू के बढ़ते मामलों ने राज्य के स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने, नियमित रूप से छिड़काव करने और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

अमेरिका के मियामी एयरपोर्ट पर कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका के मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को अमेजन का मालवाहक (कार्गो) विमान रनवे से बाहर निकल कर खेत में पहुंच गया। विमान ने कई वाहनों को टक्कर मारी और उसमें आग लग गई। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दो अन्य लोगों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद एयरपोर्ट पर लगभग तीन घंटे तक विमानों की आवाजाही रोक दी गई।सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने हादसे के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मालवाहक विमान दोपहर करीब 2 बजे (स्थानीय समय) रनवे से बाहर निकल गया। यह विमान प्यूर्टो रिको के सैन जुआन से मियामी पहुंचा था। अधिकारियों ने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि मरने वाले लोग विमान में सवार थे या उन वाहनों में थे, जिन्हें विमान ने टक्कर मारी। हादसे के बाद आसमान में काला धुआं छा गया। मियामी-डेड रेस्क्यू फायर चीफ रे जदल्लाह ने बताया कि विमान के कॉकपिट में पायलट और को-पायलट फंस गए थे। कुछ लोग कारों के अंदर भी फंसे थे। एक अन्य व्यक्ति वाहन के नीचे दब गया था।

हादसे के बाद मियामी हवाई अड्डे पर लगभग तीन घंटें तक उड़ानें रोक दी गईं। विमान से ईंधन भी लीक हो रहा था। हादसे के कई घंटे बाद तक दमकलकर्मी इस लीकेज को संभालने में जुटे थे। हादसे के बाद प्राइम एयर का यह विमान सड़क के किनारे जाकर रुक गया। वहां दो बड़े ट्रक भी खड़े थे। मौके की तस्वीरों में विमान पेट के बल पड़ा दिखाई दिया। आग लगने के बावजूद विमान का ज्यादातर हिस्सा सुरक्षित रहा।

यह विमान 32 साल पुराना बोइंग 767 है। इसे पहले यात्रियों को ले जाने के लिए बनाया गया था। दो दशक से ज्यादा समय तक यह कई एयरलाइंस के लिए उड़ा। 2015 में इसे कार्गो विमान में बदल दिया गया था। यह उड़ान नॉर्थ कैरोलिना की कार्गो कंपनी 21 एयर ने संचालित की थी।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के मुताबिक रविवार दोपहर बाद हवाई अड्डे पर करीब 250 उड़ानें लेट हुईं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने जांच के लिए अपनी टीम मियामी भेजने की बात कही है। टीम का नेतृत्व इसकी अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी करेंगी। अमेजन की प्रवक्ता केली नेंटेल ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा। कंपनी ने हादसे में पांच लोगों की मौत पर दुख जताया। अमेजन ने मृतकों के परिवारों, उनके करीबियों और हादसे से प्रभावित सभी लोगों के प्रति संवेदना जताई।

बागपत के खेकड़ा में सड़क हादसा, 4 की मौत, 32 घायल

बागपत (उत्तर प्रदेश) : बागपत जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार देररात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 32 लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब राजस्थान से बदायूं जा रहा यात्रियों से भरा वाहन डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस के अनुसार, रात करीब 12:30 बजे डायल-112 के माध्यम से दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना खेकड़ा पुलिस, चार पीआरवी वाहनों और एम्बुलेंस टीम के साथ मौके पर पहुंची और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल तीन अस्पतालों में पहुंचाया गया। सभी घायल लोग सीएचसी खेकड़ा, सीएचसी बागपत और जिला अस्पताल बागपत में भर्ती है। इनमें से कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।

नंदा की विदाई के बीच हिमालय में खिला संजीवनी का संसार

-चेनाप फूलों की घाटी में बड़ी संख्या में खिला दुर्लभ पुष्प,हिमालयी जैव विविधता को लेकर प्रकृति प्रेमियों में उत्साह

एजेंसी

गोपेश्वर : मां नंदा की कैलाश विदाई के बीच चमोली के उच्च हिमालय से प्रकृति प्रेमियों के लिए सुखद खबर सामने आई है। जिले के ऊंचाई वाले बुग्यालों और पहाड़ी क्षेत्रों में इस वर्ष दुर्लभ हिमालयी पुष्प फेन कमल बड़ी संख्या में खिला है। लंबे समय बाद इसकी इतनी अधिक मौजूदगी देखे जाने से प्रकृति प्रेमियों के साथ वन विभाग के अधिकारियों में भी उत्साह है। इसे हिमालयी जैव विविधता के लिहाज से सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। फिलहाल मां नंदा की कैलाश विदाई के बीच चमोली की ऊंची चोटियों पर खिला सफेद फेन कमल हिमालय की प्राकृतिक संपदा और उसकी नाजुक पारिस्थितिकी की याद दिला रहा है। दुर्लभ पुष्पों का यह संसार केवल प्रकृति के सौंदर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी का भी संदेश दे रहा है।

चेनाप फूलों की घाटी की ट्रैकिंग से लौटे प्रख्यात पर्यावरणविद् चंदन नयाल ने बताया कि इस बार घाटी के उच्च हिमालयी क्षेत्र में फेन कमल बड़ी संख्या में दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि कई वर्षों बाद इस दुर्लभ पुष्प की इतनी अधिक मौजूदगी देखने को मिली है, जो प्रकृति और हिमालयी पर्यावरण के लिए सुखद संकेत है। चमोली का उच्च हिमालय अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए विशेष पहचान रखता है। फूलों की घाटी, रूपकुंड, सप्तकुंड, नंदीकुंड, हेमकुंड, द्रोणागिरी और चेनाप जैसे क्षेत्रों में दुर्लभ पुष्पों और औषधीय महत्व वाली वनस्पतियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्रह्म कमल के साथ फेन कमल भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

फेन कमल ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्रों में पाया जाने वाला आकर्षक सफेद पुष्प है। ऊंचे और पथरीले इलाकों में खिलने वाला यह फूल दूर से देखने पर चट्टानों के बीच जमे सफेद झाग जैसा दिखाई देता है। इसकी यही विशिष्ट बनावट इसे अन्य हिमालयी पुष्पों से अलग पहचान देती है। सामान्यतः इसका पुष्पन वर्षा ऋतु के बाद गर्मियों के अंतिम दौर से शरद ऋतु तक देखने को मिलता है। फेन कमल को लेकर हिमालयी समाज में धार्मिक और पारंपरिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं। लोकमान्यता में इसे भगवान शिव के अघोर और औघड़ स्वरूप की आराधना से जोड़ा जाता है। इसके औषधीय महत्व के कारण पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में भी इसकी चर्चा मिलती है। इसे संजीवनी बूटी से जोड़े जाने की मान्यता भी प्रचलित है। रामायण की पौराणिक कथा में लक्ष्मण के मूर्छित होने पर हनुमान के द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लाने का प्रसंग प्रसिद्ध है। हालांकि फेन कमल को संजीवनी बूटी के रूप में पहचानने का दावा वैज्ञानिक रूप से स्थापित तथ्य नहीं है और इसे लोकमान्यता के तौर पर ही देखा जाता है। हिमालयी क्षेत्र में औषधीय और दुर्लभ वनस्पतियों के अनियंत्रित दोहन को लेकर समय-समय पर चिंता जताई जाती रही है। ऐसे में उच्च हिमालय में फेन कमल की अच्छी मौजूदगी प्रकृति प्रेमियों के लिए उम्मीद जगाने वाली है। हालांकि किसी एक प्रजाति के अधिक संख्या में खिलने को पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की बेहतर सेहत का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसके लिए लंबे समय के वैज्ञानिक आंकड़ों और व्यवस्थित अध्ययन की आवश्यकता होती है। फेन कमल हिमालय में करीब 4500 से 6000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाया जाता है। यह सामान्यतः जुलाई मध्य से अक्टूबर मध्य तक खिलता है। खास बात यह है कि यह उन ऊंची पहाड़ियों में भी दिखाई देता है, जहां चट्टानी क्षेत्र अधिक होते हैं। सफेद रंग का यह पुष्प दूर से देखने पर पत्तियों के बीच जमे साबुन के झाग जैसा दिखाई देता है। यही विशिष्ट बनावट इसे दूसरे हिमालयी पुष्पों से अलग पहचान देती है। ब्रह्म कमल की तरह इसमें विशेष सुगंध नहीं होती, लेकिन औषधीय महत्व के कारण इसे बेहद महत्वपूर्ण हिमालयी वनस्पतियों में गिना जाता है।

बहराइच: अज्ञात वाहन की टक्कर में बाइक सवार की मौत

बहराइच : उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के नानपारा-लखीमपुर मार्ग पर रविवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। नगर कोतवाली क्षेत्र निवासी मोहम्मद साजिद मंसूरी (45) पुत्र साबिर अली मोतीपुर थाना क्षेत्र के मेहींपुरवा कस्बे से बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बहादुरपुरवा के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि साजिद गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल साजिद को उपचार के लिए नानपारा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।
नानपारा कोतवाल गुरुसेन सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने परिवार की तहरीर पर अज्ञात वाहन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने के साथ वाहन व चालक की तलाश में जुटी है।

मीरजापुर: सिवान में कपड़े में लिपटा मिला नवजात,ग्रामीणों ने बचाई जान

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश में मीरजापुर के मड़िहान थाना क्षेत्र स्थित मलुआ गांव के सिवान में सोमवार सुबह उस समय हलचल मच गई, जब खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों को नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो कपड़े में लिपटा नवजात पड़ा मिला। मासूम को देखकर लोग हैरान रह गए।नवजात मिलने की खबर फैलते ही मौके पर पहुंची पुलिस नवजात को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटेहरा पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया। परीक्षण में नवजात स्वस्थ पाया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाने के साथ नवजात को सुरक्षित रखने की कार्रवाई शुरू की। सिवान में नवजात मिलने की घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते बच्चे के रोने की आवाज सुनाई नहीं देती तो उसकी जान खतरे में पड़ सकती थी। थाना प्रभारी रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि नवजात को मलुआ गांव के सिवान से बरामद कर पीएचसी पटेहरा में स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया, जहां वह स्वस्थ मिला। मामले की जांच की जा रही है और नवजात को छोड़ने वाले का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

हिंडन नदी में डूबे एक नाविक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

नोएडा : उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर नोएडा में थाना बिसरख क्षेत्र के यूसुफपुर चक शाहबेरी गांव के पास नाव में रस्सी बांधने के दौरान दो युवक हिंडन में डूब गए। नदी में डूबे दोनों युवकों के शवों को बरामद करने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस सोमवार को सुबह से ही हिंडन नदी में जुटी हुई है। एक युवक सौरभ का शव आज सुबह कुलेसरा के पास से पुलिस ने बरामद कर लिया है। दूसरे शव की तलाश जारी है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि शिवा राजपूत (19) निवासी गांव हाजीपुर थाना स्याना बुलंदशहर और सौरभ (20) निवासी गांव बिजलीपुर थाना खुर्जा बुलंदशहर दोनों वर्तमान में बिसरख कोतवाली क्षेत्र के यूसुफपुर चक शाहबेरी गांव में रह रहे थे। रविवार तड़के दोनों युवक नाव में रस्सी बांधने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक रस्सी टूट गई। दोनों गहरे पानी में डूब गए। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों की तलाश शुरू कराई। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को भी मौके पर बुलाया गया। फायर सर्विस की टीम भी रेस्क्यू अभियान में जुट गई। गोताखोरों की मदद से नदी में दोनों युवकों की तलाश की जा रही थी। रविवार देर रात दोनों का पता नहीं चला था। उन्होंने बताया कि आज सुबह कुलेसरा के पास से सौरभ नामक युवक का शव बरामद हुआ। दूसरे की शव की तलाश जारी है।
पुलिस के मुताबिक पुराना हैबतपुर के पास लोग नाव से हिंडन नदी को पार करके दूसरी तरफ जाते हैं। दोनों युवक यहां नाव चलाने का काम करते थे। नाव चलाने के लिए दोनों तरफ रस्सी बांधी जाती है। इन रस्सी के सहारे नाव चलाई जाती है। नाव के लिए बंधी रस्सी के टूटने की वजह से यह हादसा हुआ।

रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय करने का फैसला फिर टला

नई दिल्ली : दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लॉन्ड्रिंग आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला फिर टाल दिया। इसके पहले भी कोर्ट ने 29 अगस्त, 14 अगस्त , 31 जुलाई, 16 जुलाई, 9 जून, 22 मई और 6 मई को फैसला टाल दिया था। अब इस मामले पर 10 सितंबर को फैसला सुनाया जाएगा। कोर्ट ने 13 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। 28 जनवरी 2019 को कोर्ट ने ईडी की ओर से दर्ज केस में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को भी नियमित जमानत दी थी। कोर्ट ने एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। 19 जनवरी 2019 को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दर्ज केस में लालू यादव को नियमित जमानत दी थी। कोर्ट ने 13 अक्टूबर 2025 को रेलवे टेंडर घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने 17 सितंबर 2018 को ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। इस मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी समेत 16 लोगों को आरोपित बनाया गया है। ईडी ने जिन्हें आरोपी बनाया है उनमें लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मेसर्स लारा प्रोजेक्ट एलएलपी, सरला गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता, गौरव गुप्ता, नाथ मल ककरानिया,राहुल यादव, विजय त्रिपाठी, देवकी नंदन तुलस्यान,मेसर्स सुजाता होटल, विनय कोचर, विजय कोचर,राजीव कुमार रेलान और मेसर्स अभिषेक फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। लालू पर आरोप है कि उन्होंने रेल मंत्री रहते हुए रेलवे के दो होटलों को आईआरसीटीसी को ट्रांसफर किया और होटलों की देखभाल के लिए टेंडर जारी किये। रांची और पुरी के दो होटलों का आवंटन कोचर बंधु की कंपनी सुजाता होटल को ट्रांसफर किया गया था।

बिहार के रोहतास में छत पर सोए दो लोगों की गोली मार कर हत्या

डेहरी आन सोन : बिहार में रोहतास जिले के सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेदा-बनरसिया गांव में सोमवार अलसुबह लगभग तीन बजे छत पर सोए दो लोगों की अपराधियों ने गोलीमार हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार 40 वर्षीय मणि भूषण कुमार और 40 वर्षीय ननकी देवी की गोलीमार हत्या की गई है। मृतका ननकी देवी बेदा-बनरसिया गांव की रहने वाली थी। मृतका के पुत्र अभिषेक कुमार ने बताया आज सुबह तीन बजे के आसपास छत पर से गोली चलने की आवाज सुनाई देने के बाद मैं कमरे से बाहर निकला, तो कुछ लोग अंधेरे में छत पर से उतरते नजर आए। इसके बाद वे सभी दरवाजा खोलकर बाहर की तरफ भाग गए। इसके बाद छत पर जाने के बाद देखा की दोनों लोग की मौत हो चुकी है।

पलामू- स्वर्णकार संघ की बैठक में पलामू ने उठाई ज्वेलरी पार्क की मांग

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : धनंजय सोनी ने पुराने सोना-चांदी की खरीद के लिए पूरे झारखंड में एक समान रडढ लागू करने की मांग की

झारखंड राज्य स्वर्णकार संघ के तत्वावधान में रविवार को धुरवा स्थित पुराने विधानसभा सभागार में राज्य के सभी 24 जिलों के पदाधिकारियों, केंद्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वर्णकार समाज एवं ज्वेलरी व्यवसाय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में पलामू जिला स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष श्री धनंजय सोनी ने पलामू जिले की ओर से कई महत्वपूर्ण मांगें प्रदेश अध्यक्ष श्री दुर्गा प्रसाद जोरी जी के समक्ष प्रमुखता से रखीं।

धनंजय सोनी ने झारखंड में ज्वेलरी पार्क बनाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बिलासपुर में ज्वेलरी पार्क की व्यवस्था है, उसी तर्ज पर झारखंड की राजधानी रांची में भी ज्वेलरी पार्क एवं आधुनिक एग्जीबिशन सेंटर बनाया जाना चाहिए। इससे राज्य के ज्वेलरी कारोबारियों को अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने, नए व्यापारिक संपर्क बनाने तथा अपने कारोबार को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए बेहतर मंच मिलेगा।

उन्होंने कहा कि ज्वेलरी पार्क रोजगार सृजन, निवेश और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

पुराने सोना-चांदी की खरीद पर एक समान रडढ की मांग

बैठक में पुराने सोना एवं चांदी की खरीद-बिक्री को लेकर व्यापारियों को हो रही परेशानियों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। धनंजय सोनी ने कहा कि वर्तमान में अलग-अलग जिलों एवं प्रखंडों में पुराने सोना-चांदी की खरीद को लेकर व्यापारियों को विभिन्न प्रकार की प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने मांग की कि पूरे झारखंड में पुराने सोना-चांदी की खरीद के लिए एक स्पष्ट, सरल और व्यवहारिक रडढ निर्धारित की जाए।

उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य स्वर्णकार संघ की पहल पर इस रडढ को लेकर सभी जिलों के उपायुक्त (उढ), पुलिस अधीक्षक (रढ) एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश/नोटिफिकेशन जारी किया जाए, ताकि सभी जिलों में एक समान प्रक्रिया लागू हो।

उन्होंने कहा कि रडढ में यह स्पष्ट होना चाहिए कि व्यापारी पुराने सोना-चांदी की खरीद के समय ग्राहक से कौन-कौन से दस्तावेज लें, किस प्रक्रिया का पालन करें और किन परिस्थितियों में खरीद की जा सकती है। इससे व्यापारियों और प्रशासन के बीच अनावश्यक भ्रम समाप्त होगा तथा छोटे एवं मध्यम दुकानदारों को राहत मिलेगी।

पलामू जिला की टीम रही मौजूद

बैठक में पलामू जिले की ओर से जिला अध्यक्ष श्री धनंजय सोनी, जिला महासचिव श्री अमित वर्मा, जिला उपाध्यक्ष श्री गुड्डू बर्मन जी, श्री हिमांशु कौशल सोनी जी, जिला सचिव श्री प्रदीप वर्मा, श्री धर्मेंद्र सोनी एवं जिला सलाहकार श्री शिव शंकर प्रसाद सोनी जी उपस्थित रहे।

पलामू जिला पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के साथ-साथ जिले एवं पूरे झारखंड के स्वर्णकार एवं ज्वेलरी व्यवसायियों के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से राज्य स्तर पर उठाने की बात कही।

बैठक में उपस्थित विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों ने भी व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, संगठन की मजबूती और स्वर्णकार समाज के हित में एकजुट होकर कार्य करने पर जोर दिया।

पलामू जिला स्वर्णकार संघ ने कहा कि स्वर्णकार समाज एवं ज्वेलरी व्यवसायियों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को भविष्य में भी प्रदेश स्तर पर मजबूती से उठाया जाता रहेगा।

जीईसी पलामू में आरंभिका 2026 के दूसरे दिन शिक्षक दिवस समारोह

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, पलामू में बी.टेक. बैच 2026झ्30 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम आरंभिका 2026 के दूसरे दिन शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. डॉ. मंटून कुमार सिंह, कुलपति, बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय, गढ़वा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, प्राचार्य प्रो. डॉ. संजय कुमार सिंह एवं अन्य संकाय सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को शॉल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र साहिल रविदास ने प्राचार्य का स्वयं द्वारा बनाया गया हस्तनिर्मित पोट्रेट भेंट किया।

मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. मंटून कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए लक्ष्य निर्धारण, जीवन प्रबंधन एवं नई संभावनाओं की खोज के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित, जिज्ञासु एवं लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष से करियर विकास, कौशल विकास, इंटर्नशिप, संचार कौशल, रिज्यूमे निर्माण एवं प्लेसमेंट की तैयारी के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं कोडहैक क्लब ने विद्यार्थियों को कोडिंग, कॉम्पिटिटिव प्रोग्रामिंग, हैकाथॉन एवं ओपन-सोर्स गतिविधियों से परिचित कराया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में इंडक्शन प्रोग्राम के संयोजक डॉ. सुमित कुमार एवं समन्वयक डॉ. मुरली मनोहर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में इंडक्शन प्रोग्राम समिति के सदस्यों, संकाय सदस्यों, छात्र समन्वयकों एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मेदिनीनगर जिला पुस्तकालय में चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए संदिग्ध; 95 मीटर कॉपर वायर ले गए चोर

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शहर थाना क्षेत्र स्थित मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय, पलामू परिसर में चोरी का मामला सामने आया है। प्राथमिकी के अनुसार, 2 सितंबर 2026 की रात करीब 12:25 बजे अज्ञात चोरों ने पुस्तकालय परिसर में घुसकर लगभग 95 मीटर कॉपर वायर (4 एमएम तार) की चोरी कर ली। पुस्तकालय के अध्यक्ष मंजीत सिन्हा ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पुस्तकालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में दो संदिग्ध व्यक्तियों के चेहरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने की बात प्राथमिकी में कही गई है। पुलिस को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जा सकती है।

प्राथमिकी में बताया गया है कि पुस्तकालय के पीछे लगी सफाई वाली झाड़ी के पास से चोरों के आने-जाने के संकेत मिले हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुस्तकालय प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर पुलिस को उपलब्ध कराया।

मामले में मेदिनीनगर शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान और चोरी गए तार की बरामदगी के प्रयास में जुटी है।

पलामू जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा सम्पन्न, सर्वसम्मिति से बिट्टू पाठक बने अध्यक्ष

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर : पलामू जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा सोमवार को सर्किट हाउस, डाल्टनगंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष राजीव रंजन वर्मा पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में उपस्थित रहे। आम सभा में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा जिले में बॉक्सिंग खेल के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

नई कार्यकारिणी में जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक को अध्यक्ष, अजय साहू को सचिव, सनीनुल्लाह खान को कोषाध्यक्ष तथा शैलेश चंद्रवंशी, आशीष कुमार शुक्ला, राजनंदन यादव एवं चंद्र कुमार पांडेय को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं डॉ. शैल सिखा, राजा गुप्ता, खुर्शीद आलम एवं संतोष गुप्ता को सह सचिव बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शशि कुमारी, सुशीला कंडोलना, जतरु उरांव एवं सुधा कुमारी का चयन किया गया।

बैठक में जिले में बॉक्सिंग खेल के विकास, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रतिभा खोज कार्यक्रम चलाने, आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी, खेल संसाधनों के विस्तार तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही एसोसिएशन की वार्षिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई।

बैठक के दौरान झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर हिन्दू न्यास बोर्ड के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हृदयानंद मिश्रा, श्याम नारायण सिंह, राज कुमार सिंह, शमीम अहमद राईन, ईश्वरी सिंह, विद्या सिंह चेरो, सच्चिदानंद मिश्रा, विपिन बिहारी, अनिल सिंह, विश्वजीत गुप्ता, इंदु भगत सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी वक्ताओं ने पलामू में बॉक्सिंग खेल को नई पहचान दिलाने और युवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

देवमनी देवी धर्मपरायण एवं सामाजिक सोच की महिला थीं - हृदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी श्री सुधीर कुमार चंद्रवंशी जी की पूज्य माता जी श्रीमती देवमनी देवी (82 वर्ष) के निधन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य, अधिवक्ता श्री हृदयानंद मिश्र जी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

श्री मिश्र ने अपने शोक संदेश में कहा कि पूज्य देवमनी देवी एक धर्मपरायण, ममतामयी, सरल हृदय एवं सामाजिक सोच वाली महिला थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन परिवार के उत्थान और बच्चों को अच्छे संस्कार देने में समर्पित कर दिया। परिवार के प्रति उनका त्याग, ममता और समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके द्वारा दिए गए संस्कारों और शिक्षा का ही परिणाम है कि उनके सभी पुत्र आज समाज में सत्य, ईमानदारी और सेवा के मार्ग पर चल रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि गंभीर बीमारी के दौरान उनके सभी पुत्रों संतोष चंद्रवंशी, सुधीर चंद्रवंशी एवं सुनील चंद्रवंशी ने अपनी माता की सेवा तन-मन से की, लेकिन सभी पुत्रों ने समान रूप से सभी पुत्रों ने सेवा किया सुधीर चंद्रवंशी जी ने अंत समय तक जिस समर्पण, सेवा भाव और मातृभक्ति के साथ अपनी माँ की सेवा की, वह अत्यंत प्रशंसनीय, हृदय को छूने वाला और समाज के लिए अनुकरणीय है।

रांची स्थित ऑर्किड हॉस्पिटल में 82 वर्ष की आयु में उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्री हृदयानंद मिश्र जी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि ईश्वर दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार, विशेषकर उनके पति श्री कमल प्रसाद जी, भूतपूर्व सैनिक को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बिहार में बाढ़ राहत को लेकर सरकार पर सवाल

जमीन पर नहीं पहुंच रही पर्याप्त मदद : विपक्ष ने उठाई आवाज

बिहार: राज्य के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति के बीच राहत सामग्री के वितरण को लेकर सरकार और जिला प्रशासन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों तक पर्याप्त राहत सामग्री नहीं पहुंचने का आरोप लगाते हुए सरकार की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए गए हैं।

बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाढ़ प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने और राहत सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिलाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी सौंपे जाने की बात कही गई है। हालांकि, आरोप है कि धरातल पर स्थिति इसके विपरीत है और बड़ी संख्या में प्रभावित लोगों को पर्याप्त राहत सामग्री नहीं मिल पा रही है।

राहत सामग्री की कमी का दावा :बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री के वितरण को लेकर दावा किया गया है कि 100 लोगों की जरूरत के मुकाबले करीब 10 लोगों के अनुपात में ही सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। आरोप लगाने वालों के अनुसार, जिला प्रशासन की ओर से राहत सामग्री की कमी का हवाला दिया जा रहा है।

पोर्टरखोली जन्माष्टमी मेला में उमड़ रही भीड़, मौत का कुआं समेत कई आकर्षण

चक्रधरपुर के पोर्टरखोली ऐतिहासिक जन्माष्टमी मेला में मनोरंजन के कई आकर्षण

अनिल तांती

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर के पोर्टरखोली मैदान में लगने वाला ऐतिहासिक जन्माष्टमी मेला इस वर्ष भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मेले में दूर-दराज से लोग पहुंचकर पूजा-अर्चना के साथ खरीदारी और मनोरंजन का आनंद ले रहे हैं। बच्चों से लेकर युवाओं और परिवार के लोगों के लिए मेले में विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन उपलब्ध हैं।

हर वर्ष की तरह इस बार भी मौत का कुआं मेले का प्रमुख आकर्षण बना हुआ है। मौत के कुएं में मोटरसाइकिल और अन्य वाहनों से किए जाने वाले हैरतअंगेज करतब दर्शकों में रोमांच पैदा कर रहे हैं। इसके अलावा बिजली झूला, नौका विहार और ड्रैगन झूला भी लोगों को खासा

आकर्षित कर रहे हैं।

इस बार मेले में मनोरंजन के लिए कई नई चीजें भी लाई गई हैं। इनमें जलपरी, जीरो कैविटी छिपकली झूला, भूत बंगला और सफारी जंगल जैसे आकर्षण शामिल हैं। नए मनोरंजन साधनों को देखने और उनका आनंद लेने के लिए बच्चों एवं युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

मेले में मनोरंजन के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की दुकानें भी सजाई गई हैं। खान-पान, खिलौने, घरेलू सामान, सजावटी वस्तुओं और अन्य सामग्री की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ देखी जा रही है। शाम होते ही मेला क्षेत्र रोशनी से जगमगा उठता है और लोगों की चहल-पहल बढ़ जाती है।

सुरक्षा को लेकर रहें सतर्क

मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अपने पर्स, मोबाइल फोन और जेवरात का विशेष ध्यान रखें। बच्चों को अकेला न छोड़ें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तुरंत मेला प्रबंधन या सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों को सूचना दें।

पोर्टरखोली का जन्माष्टमी मेला चक्रधरपुर की पुरानी और लोकप्रिय मेले की परंपरा का हिस्सा है। इस बार नए और पुराने मनोरंजन साधनों के संगम ने मेले की रौनक और बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में मेले में भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है।

बीरू सिमडेगा में धूमधाम से निकली कृष्णा की टोली, नन्हे बाल-गोपालों को देख झूम उठा पूरा गांव

सिमडेगा : बीरु निवासी समाजसेवी प्रेम कुमार की अगुवाई मे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शिक्षा फाउंडेशन द्वारा एक अद्भुत और हृदय को छू लेने वाली पहल की गई। फाउंडेशन द्वारा गांव बीरू, सिमडेगा में ₹कृष्णा की टोली₹ निकाली गई, जिसमें फाउंडेशन से जुड़े छोटे-छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के मनोहारी रूप में सजाया गया। पीले वस्त्र, मोर मुकुट और हाथों में बांसुरी लिए जब नन्हे-मुन्ने बाल कृष्ण गांव की गलियों में निकले तो पूरा गांव ₹नंद घर आनंद भयो₹ के जयकारों से गूंज उठा। महिलाओं ने घरों से बाहर निकलकर बच्चों पर फूल बरसाए और आरती उतारी। बच्चों की मासूमियत और कृष्ण भक्ति ने सभी का मन मोह लिया।

टोली ने पूरे बीरू गांव का भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने प्रेम, भाईचारा और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। ग्रामीणों ने भी बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

भ्रमण के पश्चात शिक्षा फाउंडेशन की ओर से सभी बच्चों के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। सभी बच्चों को एक साथ पंक्ति में बैठाकर प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। भोजन के बाद बच्चों को शिक्षा से जुड़ी सामग्री भी दी गई।

इस अवसर पर शिक्षा फाउंडेशन के संचालक विकास बैलवाल ने बताया, ₹हमारा उद्देश्य सिर्फ शिक्षा देना नहीं है, बल्कि बच्चों में संस्कार जगाना भी है। हम चाहते हैं कि ये बच्चे पढ़-लिखकर अपने गांव और देश का नाम रोशन करें। कृष्णा टोली इसी सोच का एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा फाउंडेशन हमेशा से गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए काम करता रहा है। हमारा नारा है - हर हाथ में किताब, हर चेहरे पर मुस्कान। कार्यक्रम में गांव के कई गणमान्य लोग, महिलाएं और युवा उपस्थित रहे और शिक्षा फाउंडेशन के इस कार्य की सराहना की।